

केनरा बैंक की
द्विमासिक गृह पत्रिका
अक्टूबर 2021 – नवंबर 2021 | 279



श्रेयस
Shreyas

Canara Bank's
Bimonthly House Magazine
October 2021 - November 2021 | 279



श्री अम्मेशाल सुब्बा राव पै
Sri Ammembal Subba Rao Pai



116th

संस्थापक दिवस
FOUNDER'S DAY



आज़ादी का
अमृत महोत्सव



दिनांक 24.10.2021 को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, चंडीगढ़ में स्थापित कैश रिसाइक्लर का उद्घाटन करते हुए श्री एल वी प्रभाकर, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी। तस्वीर में श्री के सत्यनारायण राजू, कार्यपालक निदेशक, श्री बृज मोहन शर्मा, कार्यपालक निदेशक, श्री बी पी जाटव, महा प्रबंधक और श्री अजय कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, चंडीगढ़ भी दिखाई दे रहे हैं।

Sri L V Prabhakar, MD & CEO inaugurating the Cash Recycler installed at International Airport, Chandigarh on 24.10.2021. Sri K Satyanarayana Raju, Sri Brij Mohan Sharma, EDs, Sri B P Jatav, GM and Sri Ajay Kumar, CEO, International Airport, Chandigarh are also seen in the picture.



21 और 22 अक्टूबर 2021 को बृहत कॉर्पोरेट शाखाओं के लिए शिमला में आयोजित कारोबार रणनीति बैठक में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री एल वी प्रभाकर, प्रनि व मुकाअ।

Sri. L V Prabhakar, MD&CEO addressing the participants of the Business Strategy Meet for Large Corporate Branches held on 21st and 22nd October 2021 at Shimla.

ADVISORY COMMITTEE

L V Prabhakar
Debashish Mukherjee
L V R Prasad
V Ramachandra
Shankar S
M K Ravikrishnan
H M Basavaraja
Y L Bhaskar
Kishore Thampi
Om Prakash N S

EDITOR
Kishore Thampi
ASST. EDITORS

Sajeev K
Keerthy P C
सह संपादक (हिंदी)
ओमप्रकाश एन एस

Edited & Published by
Kishore Thampi
Senior Manager
House Magazine & Library Section
HR Wing, HO, Bengaluru - 560 002.
Ph : 080-2223 3480
E-mail : hohml@canarabank.com
for and on behalf of Canara Bank

Design & Print by
Blustream Printing India (P). Ltd.
#1, 2nd Cross, CKC Gardens,
Lalbagh Road Cross, Bangalore - 560 008.
Ph : 080-2223 0070 / 2223 0006.

The views and opinions expressed herein are not necessarily those of the Bank. Reproduction of the matter in any manner with the permission of the editor only. For private circulation only. Not for Sale.



CONTENTS

- 2 प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश / MD & CEO's Message
- 4 संपादकीय / Editorial
- 5 New CGM'S Messages
- 6 New GM'S Messages
- 7 Tracing the roots of a legend - Canara Bank! - Veena Girimaji R
- 11 Canara Bank & its vision to become the largest PSB - Abrar Ul Mustafa
- 13 Cartoon
- 14 Legal Column - Renjith Chandran R
- 16 Departed Souls - V. Balasubramanian
- 17 A success story built on Strong foundation - P. Srinivasamurthy
- 19 एक छोटी सी शुरुआत - बी के उप्रेती
- 21 एक महान नायक की महान गाथा - मोनालिसा पंवर
- 22 Banking News
- 24 Econ Speak - Dr Rashmi Tripathi
- 26 Cartoon - Jithendran P P
- 27 Singing Competition
- 28 116th Foundation Day Celebration
- 30 Circle News
- 36 अंचल समाचार
- 41 Bravery
- 42 Marvellous ideas for Managing Global Crisis - Gomathinayagam K
- 44 The Man, The Legend - Bharathi D
- 45 Archives Corner - C.V. Aravind
- 46 The Penance - Mini Augustine
- 48 मेरा एक सपना - सोनिया सैन
- 49 Travelogue - Ankur Satish Tandale
- 53 Babies' Corner
- 54 नारी - स्वाति झा
- 55 Homage
- 56 Book Review

प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
का संदेश



MD & CEO's Message

प्रिय केनराइट्स,

विकास और संगठनात्मक विकास अक्सर कुछ प्रमुख कारकों जैसे- नवोन्मेषी व्यवसाय मॉडल, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, मूल कॉर्पोरेट उद्देश्यों और नीतियों, दूरदर्शी नेतृत्व और सबसे ऊपर एक उद्यमी और प्रतिबद्ध कार्यबल के संगम का परिणाम होता है। हम आज जहाँ हैं वहाँ इसलिए हैं क्योंकि आप में से प्रत्येक ने, पूरी दुनिया में उथल-पुथल मचा देने वाली महामारी के बीच भी, हमारे कॉर्पोरेट लक्ष्यों और उद्देश्यों के प्रति अपनी नज़र बनाए रखते हुए अपने दृढ़ संकल्प और प्रयासों का परिचय दिया। हमने अपने कई प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन किया है और बैंकिंग और वित्तीय धरातल पर सकारात्मक तरंगे पैदा की हैं। पिछले कुछ महीनों के दौरान हमें जिन बाधाओं से गुज़रना पड़ा, उन्हें देखते हुए यह एक अनुकरणीय उपलब्धि है। बहुत बढ़िया!! यह वास्तव में ज्ञानदार व्यक्तिगत और सामूहिक प्रदर्शन द्वारा संचालित संगठनात्मक सफलता का उल्लेखनीय प्रदर्शन था। हम सही मार्ग पर अग्रसर हैं और मुझे यकीन है कि निरंतर वृद्धि और विकास की वर्तमान गति और प्रवृत्ति निश्चित रूप से आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी और हम सभी के साथ-साथ इस शक्तिशाली संगठन को और अधिक सफलता और गौरव प्रदान करेगी।

वित्त वर्ष 2021-22 की द्वितीय तिमाही का वित्तीय परिणाम इस तथ्य का प्रमाण है कि हम, एक संगठन के रूप में बैंकिंग के सभी रूपों में परिचालन कुशलता प्राप्त करते हुए बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारा निवल लाभ, 200% की अपतपूर्व वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) के साथ ₹1333 करोड़ रहा। गैर-ब्याज आय में 37.54% और शुल्क-आधारित आय में 20.02% की वृद्धि के साथ राजकोषीय आय में 95.10% की वृद्धि दर्ज हुई। एनपीए मैट्रिक्स में थोड़ी सी राहत है - हमारा निवल एनपीए अनुपात 3.21% (21 बीपीएस नीचे) रहा, जिसके फलस्वरूप हमारी आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ। इसके अलावा, हमने खुदरा ऋण, वसूली, कासा और कृषि क्षेत्र के अग्रिमों में भी सराहनीय प्रगति दर्शायी है जिसके फलस्वरूप, महत्वपूर्ण संविभागों में समग्र विकास और सुधार दर्ज हुआ। हमने यथा सितंबर 2021 की स्थिति के अनुसार प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र

Dear Canarites,

Organisational growth and development is often a consequence of the confluence of certain key factors like innovative business models, state of the art technology, pristine corporate objectives and policies, visionary leadership and above all an enterprising and committed workforce. We are where we are today because of the efforts and determination shown by each and every one of you, by never losing sight of our corporate goals and objectives, even amidst a debilitating pandemic that shook the entire world. We have outperformed many of our competitors and created positive ripples in the banking and financial rubric. An exemplary feat, considering the odds and the constraints that we all had to go through during the past few months. Bravo!! It was indeed a remarkable exhibition of organisational success steered by brilliant individual and team performances. We are on the right trajectory and I am sure that the present momentum and trend, of incessant growth and development, will definitely continue in the days to come and usher in more success and glory to all us and this mighty organisation.

The financial results for Q2 FY2021-22 is a testament to the fact that we, as an organisation, are growing leaps and bounds, achieving operational finesse in all genres of banking. Our Net Profit stood at ₹1333 crore, a phenomenal 200% increase (Y-o-Y). Treasury income grew by 95.10%, complimented by Non-interest income growth at 37.54% and Fee-based income growth at 20.02%. There is respite in the NPA matrix- our net NPA ratio stood at 3.21% (down by 21bps) thus brightening our asset quality landscape. Further we have also shown commendable progress in retail lending, recovery, CASA and advances to agriculture

(46.27% पर) और कृषि ऋण (एएनबीसी के 20.49% पर) के तहत, क्रमशः 40% और 18% के मानदंड के मुकाबले, अपेक्षित लक्ष्यों को हासिल किया है। हमारी पूंजी की स्थिति और उत्पादकता में सुधार के आधार पर, रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने हाल ही में हमारे अतिरिक्त टीयर I बांड को एए से एए+ और टीयर II बांड को एए+ से एएए में अपग्रेड किया है, जिसके फलस्वरूप हमारी सॉल्वेंसी प्रोफाइल मजबूत हुई है और बाजार में भी सकारात्मक संकेत गए हैं।

कहा जाता है कि “दूरदृष्टि वह कला है जिसके जरिये वह देख पाना संभव होता है जो अन्यो के नजर में नहीं आता”। जब हमारे प्रिय संस्थापक, श्री अम्मेम्बाल सुब्बा राव पै ने 1906 में इस महान संस्था के बीज बोए थे, तो उनके अंदर एक दृढ़-विश्वास, एक निश्चितता थी कि वे समाज में जरूरतमंदों और पिछड़े हुए लोगों के जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को उन्नति प्रदान कर सकेंगे। अपने समय से बहुत आगे की सोच रखने वाले एक दूरदर्शी श्री अम्मेम्बाल सुब्बा राव पै ने अपनी एक खुद की दुनिया निर्मित की, एक ऐसी संस्था जो अभी भी अपनी आभा बिखेरती है और अपने प्रतिभाशाली और प्रतिबद्ध व्यक्तियों के माध्यम से अनवरत उपलब्धि हासिल करती रही है।

जैसा कि हम 19 नवंबर को अपना “संस्थापक दिवस” मनाते हैं, आइए, इस पावन अवसर पर हम उन मूल्यों, संस्कृति और सिद्धांतों, जो इस महान संस्था को परिभाषित करते हैं, के प्रति खुद को समर्पित करें और भविष्य में इसकी बेहतरी और भव्यता को बनाए रखने की दिशा में काम करें। आइए, हम जी-जान से विश्वास करें कि हमारे प्रिय संस्थापक की छाया में विकसित हुई संस्था अब सुरक्षित और सक्षम हाथों में है और हम इसे सुरक्षित रखने, इसकी संरक्षा करने और इसे वर्तमान औद्योगिक परिदृश्य में सफलता के उच्च शिखर पर ले जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।

इस वित्त वर्ष में बमुश्किल से 5 महीने बचे हैं, अतः मैं आप सभी से यह आग्रह करता हूँ कि आप में से प्रत्येक व्यक्ति अपने सर्वोत्तम प्रयासों से अपने निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्यों की दिशा में कार्य करें और इसे प्राप्त करने के लिए प्रभावी उपायों की रणनीति बनाएँ।

“आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएँ”

मंगल कामनाओं के साथ,

आपका,

एल वी प्रभाकर

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

sector thus providing holistic development and improvement in critical portfolios. We have also achieved the requisite targets in Priority Sector (at 46.27%) and Agricultural Credit (at 20.49% of ANBC) as at Sep 2021, as against the norm of 40% and 18% respectively. Based on the improvements in our capital position and productivity, the rating agency ICRA has recently upgraded our additional Tier I bonds from AA to AA+ and Tier II bonds from AA+ to AAA, consequently strengthening our solvency profile and sending positive signals in the market.

It is said that “vision is the art of seeing what is invisible to others”. When our beloved founder, Sri. Ammembal Subba Rao Pai, sowed the seeds for this great institution way back in 1906 he had a strong faith, a certainty that he can bring about a transformation in the society, in the lives of the needy and the downtrodden and in providing the right nudge to a mushrooming rural economy. A visionary far ahead of his life and times, Sri. Ammembal Subba Rao Pai created a world of its own, an institution that still radiates his aura and continues to do through its talented and committed individuals.

As we celebrate our “Founders Day” on 19th November, let us rededicate ourselves to the values, culture and doctrines that define this great institution and work towards its betterment and grandeur in the days to come. Let us wholeheartedly believe that the institution which grew in the shadow of our beloved founder is now in safe and competent hands and we will put forth our best efforts to safeguard it, protect it and take it to the higher pedestals of success in the present industrial landscape.

With hardly 5 months remaining in this FY, I urge each and every one of you to put your best efforts forward, work towards your set goals and objectives and strategize effective measures to achieve it.

“Wish you all the very best”

With warm regards,

Yours sincerely

L V Prabhakar

Managing Director & CEO

संपादकीय



Editorial

यह प्रायः कहा जाता है कि “महानता असंभव से अविस्मरणीय तक का सफर है।” 19 नवंबर को ऐसे ही एक महान दूरदर्शी की जयंती होती है जो बैंकिंग उद्योग में विरले ही होते हैं। हमारे प्रिय संस्थापक, श्री अम्मम्बाल सुब्बा राव पै, बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। लेकिन उनकी प्राथमिकता खुद को लोप कर, सतत प्रयासरत रहते हुए गरीब लोगों के उत्थापन और समाज में व्याप्त अपमानजनक वर्जनाओं के उन्मूलन की रही, एक ऐसी उपलब्धि जिसे निश्चित योग्यता वाले कुछेक लोग ही हासिल कर पाते हैं। सुशिक्षित और विद्वान होने के नाते, उनका समाज में उच्च स्थान था और वे तत्कालीन समय में अद्वितीय मेधा के मालिक थे।

बदलते कारोबारी परिदृश्य का पूर्वानुमान करने वाले अनुकरणीय कौशल के धनी, श्री अम्मम्बाल सुब्बा राव पै एक असाधारण, अपने-आप में अद्वितीय दुनिया बनाने में सक्षम हुए, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी और अनवरत फलती-फूलती रही। 1900 की दशक की शुरुआत में जो महज़ एक चिंतन के रूप में शुरू हुआ था, वह इस महान संस्थान के रूप में भौतिक रूप ले चुका है और अभी भी संस्थापक सिद्धांतों की भावना का समर्थन करता है। वह संस्थान अर्थात्, हमारा बैंक, जो उनके संरक्षण में विकसित हुआ, अब देश का तीसरा सर्वोच्च सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है। उनकी महानता का मूल तत्व अब हम सब की रगों में व्याप्त है। संस्थापक दिवस समारोह इस महान व्यक्ति के प्रति सम्मान की धारणा है जो जाति/पंथ और सामाजिक भेदभाव के असमानताओं से ऊपर उठा और समर्पण, करुणा और क्षमता के दायरे में बंधे एक अद्वितीय क्षेत्र का निर्माण किया।

श्रेयस का यह “संस्थापक दिवस विशेषांक” इन अंतर्निहित संस्थापक सिद्धांतों की सर्वोत्कृष्टता को उत्पन्न करने के लिए संकल्पित किया गया है, कि कैसे यह एक बैंकर और जिम्मेदार व्यक्ति के रूप में हमारी धारणाओं और विश्वासों को आकार देता है और यह भी बताता है कि सफलता का अलिखित तत्व कैसे प्रकट होता है जब हमारी अपनी विश्वास प्रणाली संगठनात्मक मूल्यों और लोकाचार के साथ सम्मिलित है। हम अपने उन लेखकों के प्रति भी कृतज्ञता प्रकट करते हैं जिन्होंने अद्भुत रूप से इन भावनाओं और सिद्धांतों को आत्मसात कर लिया है और उन्हें अपने लेखों/कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया है।

आशा है कि आप इस विशेष संस्करण को पढ़ने का आनंद लेंगे। जैसा कि हम आपसे सुनना पसंद करते हैं, कृपया हमारे गृह पत्रिका व पुस्तकालय के वेबपेज पर केननेट में/या hohml@canarabank.com पर मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया/टिप्पणियां अवश्य दें या आप हमें हमेशा 080-22233480/9986693808 पर कॉल कर सकते हैं।

किशोर थंपी
संपादक

It is often said that “Greatness is a journey that begins with the impossible and turns in to the unforgettable”. 19th November marks the birth anniversary of one of the greatest visionaries that the banking industry has ever seen. Our beloved founder, Sri. Ammembal Subba Rao Pai, was a man of diverse talents. But his prominence lay in his self-effacement, his relentless efforts to uplift the poor and iron out the disparaging stigmas that beleaguered the society, a feat only people with certain calibre could achieve. Erudite and scholarly, he had a high standing in the society and possessed an intellect unparalleled during those times.

As a man with exemplary skills to foresee the changing business landscape, Sri Ammembal Subba Rao Pai was able to create something extraordinary, a world unique in itself that has withstood the test of time and blossomed to fruition. What probably started as a mere thought during the early 1900s materialised in the form of this great institution that still espouses the spirit of the founding principles. The institution, our Bank, which grew under his tutelage is now the 3rd largest public sector Bank in the country. The essence of his greatness is now omnipresent in each and every one of us. The founder's day celebration is a notion of reverence to this great individual who had risen above the inequities of caste/ creed and societal discrimination and went on to create a unique realm bounded by the strictures of dedication, compassion and competence.

This “Founders Day Special Edition” of Shreyas has been conceptualised to beget the quintessence of these underlying founding principles, how it shaped and concretized our perceptions and belief as a banker and a responsible individual and also to bring forth how the unwritten element of success transpires when our own belief system/s coalesce with organisational values and ethos. A note of Gratitude to our writers who have wonderfully captured and ushered in these emotions and tenets through their articles/poems.

Hope you enjoy reading this special edition. As we love to hear from you, please drop in your feedback/ comments by visiting our **HM&L Webpage in Cannaet** / or as mail to hohml@canarabank.com / or you can always call us at 080 – 22233480/9986693808.

Kishore Thampi
Editor

It is a great honour and a rare privilege to be elevated as Chief General Manager of our Bank. I am extremely grateful to the top management for recognising my efforts and contribution and also to all my illustrious superiors for their guidance, benefaction and relentless grooming which helped me to become the individual that I am today. My heartfelt thanks to all my committed colleagues for their abundant love and unflinching support, who have toiled shoulder to shoulder, in all my endeavours. My deepest gratitude also goes to my loving family who, through their relentless and unconditional support, played an invaluable role in my growth as a banker.



I recall my 36 years of banking career in multifarious roles handling varied portfolios and responsibilities. Though it was challenging, it was extremely satisfying too as I could contribute towards organisational growth and development. The banking paradigm has undergone a tremendous shift in the recent past, creating numerous challenges as well as equal number of opportunities. In this backdrop Human Resources Management plays a very significant role in effectively aligning employee perspectives and aspirations with organisational goals and objectives and acting as strategic business partners. The challenge would be to make employees future equipped and industry enlightened by enabling individual capabilities and competencies through pristine HR models and practices. With a fairly young workforce and an exemplary and a visionary Top Management leadership to guide, I am sure that we are on the right track towards regaining the coveted 'numero uno' position, amidst the comity of banks, in the days to come.

I appeal to all Canarites to work towards your professed goals and targets and Together, let us take this mighty organisation to the higher pedestals of success and glory.

Best regards,

Shankar S
Chief General Manager



**THERE IS ALMOST NO LIMIT
TO THE POTENTIAL OF AN
ORGANIZATION THAT
RECRUITS GOOD PEOPLE,
RAISES THEM UP AS
LEADERS AND
CONTINUALLY DEVELOPS THEM**

— JOHN C. MAXWELL
(Author and Speaker)

I feel elated and honoured on my elevation as General Manager. All along the journey has been embellished with great opportunities and learning avenues.

At the outset, I profusely thank our top management for the trust and confidence reposed in me from time to time. I also thank illustrious leaders, peers and all others who have been with me through thick and thin.



All the way, I believed in team building and team work, which not only paved for my career growth but also realised the dreams of my team mates.

I'll continue to strive and serve the institution with the same vigor and zeal and I am confident my team will contribute its mite to our Bank to reach greater heights.

Together We Can.

With regards,

A Muralikrishna
General Manager

It is indeed an honour and privilege for me to have the opportunity to share my thoughts with CANARITES on being elevated as General Manager of our esteemed Bank. Today, when I look back at my Banking Career, it is certain that the strength of BRAND CANARA, its founding principles, its organisational culture and values have been with me since day one which has made the whole experience a fulfilling and a rewarding one.



I sincerely assure my whole-hearted continued involvement and express my gratitude to our Mother Bank. Bank has provided multiple opportunities, privileges and challenges that has firmed up my belief that Bank's and individual's growth is undoubtedly complementary. At this juncture, we as TEAM CANARA are set to march forward from the milestone of No. 3 position, in the realm of PSBs as systemically important group, towards further glorious journey filled with many more laurels, recognitions and accomplishments on the way.

Warm Regards,

Salina Goyal
General Manager

Tracing the roots of a legend - Canara Bank!



Veena Girimaji R

Senior Manager
Vigilance Wing
Head Office, Bengaluru

Early Days



Sri Ammembal Subba Rao Pai was born on 19 Nov 1852 in Mulky, a small town, near Mangaluru in Dakshina Kannada District of Karnataka. During his childhood, Sri Ammembal Subba Rao was a playful boy and an average student. Yet, he was a sort of the ringleader in his friends' circle. His

reverence towards elders and specially, his father, was outstanding.

A lawyer turned banker in profession, Sri Ammembal Subba Rao was a staunch social reformer and attached extreme importance to education. This catapulted him to be one of the leading luminaries in the pre-independence era and helped shape a bright future for his District and Community. His concern for social upliftment gave birth in 1891 to the Canara High School, Mangaluru, the century old precursor to the conglomeration of today's Canara Educational Institutions. His enterprising spirit and concern towards thrift gave birth to yet another national institution, the Canara Hindu Permanent Fund Ltd, in 1906 which went on to be known as Canara Bank – today's third largest PSU Bank of the nation.

Visionary Banker

The motivation to succeed comes from the burning desire to achieve a purpose, to serve the society. One hundred and fifteen years ago, a man with rare courage set his first step to start a Bank in Mangaluru. Realizing that smaller borrowers-small traders and

peasants-were at the mercy of moneylenders who were charging exorbitant interest touching 50 percent and more. Sri Ammembal Subba Rao Pai, started the Canara Hindu Permanent Fund Limited in July 1906 to help such small traders and peasants and free them from the clutches of money lenders. At the same time he also wanted to inculcate savings as a habit for all. Moreover, he realised that traditional channels for savings were not entirely risk-free and that a larger institutional structure would not only protect and reward savings but also provide a profitable avenue for credit that would challenge the stranglehold of the moneylenders in the rural economy.

Sri Subba Rao Pai's commitment to the long haul is vindicated by the fact that the Articles of Association of the Permanent Fund stipulated a cap of 10 per cent on the interest rate even though the prevailing interest rates were much higher. That this was not a gimmick is also evident from the fact that the very first balance sheet of the venture showed a profit, indicating that Sri Subba Rao Pai was successful in undercutting the moneylenders without sacrificing the viability of the fledgling venture. The venture, established with 2,000 shares of ₹50 each, was one of the first joint stock companies to be floated in South Canara. It was not just the moneylenders who were its competitors, the area was already serviced by Bank of Madras which enjoyed a significant presence in southern coastal Karnataka at that time. It is evident that Sri Ammembal Subba Rao Pai did not see the incumbent bank as a threat because he realised that Bank of Madras catered almost exclusively to the larger merchants and landlords and was not accessible to those lower down the social and economic strata. This was apart from

the fact that Bank of Madras charged high interest rates from borrowers.

Consolidation Phase

It is interesting that the South Canara region was the base for several banks in the early years of the last century and is called as “Banking Cradle of India”. Most analysts of banking attribute this to the high levels of literacy and to the commercialisation of agriculture activity in the region. As early as 1929, there were at least 10 banks thriving in the region, despite the competition, it was Canara Bank who was the leader of the pack. It had the highest paid-up capital among the 10 banks.

Founding Principles:

- To remove superstition and ignorance.
- To spread education among all to sub-serve the first principle.
- To inculcate the habit of thrift and savings.
- To transform the financial institution not only as the financial heart of the community but the social heart as well.
- To assist the needy.
- To work with sense of service and dedication.
- To develop a concern for fellow human being and sensitivity to the surroundings with a view to make changes/remove hardships and sufferings.

Challenges faced during early days

A frenzy of bank collapses in India in the 1920s and 1930s most notably that of the Travancore National and Quilon Bank in 1938, resulted in a loss of confidence in Banking System. Yet, Canara Bank remained unscathed and continued to grow - not to mention, continued to post profits as ever. In fact, as a measure of instilling confidence among the public, the bank voluntarily offered its books to be examined by the Reserve Bank of India (RBI), this enhanced its prestige among existing and prospective customers. This also explains why unlike many of the other smaller banks, Canara Bank was not swallowed up by larger ones during the period of bank consolidation in the 1930s and 1940s (many smaller banks also perished during this period). The legacy is still maintained with

amalgamation of Syndicate Bank with Canara Bank in 2020 – the largest consolidation in the Bank's history.

Expansion Phase

By 1939, Canara Bank had 38 branches, of which 12 were in South Canara district. None of the 20-odd comparable entities operating in the region had a bigger network of branches. It is evident that Canara Bank had emerged unscathed from the period of intense uncertainty in Indian banking when smaller banks were struggling to remain on their feet in conditions that were aggravated first by the Great Depression and then by the gathering war clouds.

Independence and the new-found zeal for self-reliance and the emphasis on industrial development provided new opportunities for the bank. By 1956, when Canara Bank celebrated its golden jubilee, the bank that started with mere four employees in 1906 had more than seven thousand employees by 1956. Canara Our Bank started handling foreign business from 1953. Exclusive International Division was started in 1976 and first ever Overseas branch was opened at London in the year 1983.

On July 1969, when our Bank was nationalised, Canara Bank had a network of 360 branches, 307 more than the number of branches it had in 1956. It had deposits to the tune of ₹185 Crore, a 12-fold increase since 1956; during the same period, its advances had increased nearly 16-fold.

Feathers in the cap

Canara Bank not just excels in ideation of good management, but has been a front runner in implementation of Best Practices. The Bank occupies the delightful place among the public sector banks and has positive image in all the geographical regions of the country. Canara Bank is now bracketed with the best managed and financially healthier banks in the country. In customer service, it continues to be second to none - it's legacy intertwined with culture.

Canara Bank has a passion for excellence. It is often

said that organisations that exhibit infinite passion for excellence do have certain distinguishing characteristics such as the urge to be pioneers and innovators and the passion to break new ground in several activities they pursue. Such organisations invariably welcome a spirit of challenge. Though the Canara Bank started to challenge the mercenary mechanism of the money lenders and as a one-man crusade of our Founder, today we have grown into one of the biggest and most diversified banks of the nation. One of the important secrets of our thrilling journey of achievements is that the Bank believed that customers are its core and greatest assets. It is the customers and well-wishers who are the driving force and foundation of our present position. Right from the beginning of the bank, our focus has been on people, be it employees of the Bank or our valued customers.

Stupendous Progress in Banking Sector

Canara Bank is operating in four segments, namely treasury operations, retail banking operations, wholesale banking operations and other banking operations.

With a legacy of 115 years behind us and a bright new future holding immense possibilities awaiting us, we have begun the efforts for the same on the right note. We have grown to become a frontline Banking Institution of India with sound foundations. Canara Bank has always paid attention to the quality of its workforce. This is highlighted by the fact that it developed a code of ethics for employees well before many of its peers did.

Canara Bank also has International presence with branches at key financial centers such as London, New York and Dubai. About 7 per cent of total business is contributed by overseas branches.

In continuation of its Vision & Mission, the Bank will endeavor to achieve the objectives by adopting best practices, promoting a culture of excellence and continuous learning to meet the ongoing changes and encouraging staff and management to take ownership

and responsibility for achievement of the individual as well as the Bank's goals.

As on 30.09.2021, the Bank has a whopping 9,800 branches and a mind-boggling 87,858 employees (post amalgamation).

CSR Initiatives

Our Country has made substantial economic progress over past few decades. India cut extreme poverty in half within a generation and is transforming itself into one of the world's fast-growing economies. Consistent with its philanthropic roots and genuine concerns for the needy, Canara Bank has been a trailblazer in initiating various programmes for the benefit and upliftment of the society. Some of them are:

- Artisans Training - Production & Marketing Centre & Institute for Rural Artisans provide training for artisans in wood carving, stone carving, sheet metal embossing and terra cotta and marketing their products
- Rural Women Self Employment Training Institute provides counselling, guidance & training to make women self-reliant.
- Institute for Rural Development and Rural Self Employment Promotion and Resource Guidance Centre provide training to rural youths for self employment.
- Rural Clinic Service and Mahila Shushrusha Yojana provide medical facilities in remote and backward villages and provide incentives to doctors to set up clinics in such areas.
- Adult education centres provide adult literacy and assist student fraternity by providing books, equipments, sponsoring libraries etc.
- Adarsha Grama Project & Jalayoga Scheme provide safe drinking water facility in backward villages.
- Training Institute are training SC/ST and minority youths to take up self-employment training.
- Rural Development and Self Employment Training Institutes provide training in adopting appropriate technology.
- Computer Training Centre for Urban Poor at

Bangalore trains urban poor in the IT field and computers.

- Kalagrama - An art village has been set-up to assist the artisans who have undergone training in traditional arts to pursue and practice art for mutual learning and benefit.
- Canara Bank Institute of Information Technology has been set-up with an objective of imparting training to the rural youth of South Kerala in the field of Information Technology. The training is offered free of cost and backed up by post training follow-up to ensure credit linkage and settlement.
- The Bank is also giving encouragement to cultural activities and boost the staff who have excelled in fields like sports, music, dance, drama and other fine arts.

Social Endeavours of our Founder

Sri Ammembal Subba Rao Pai's versatility was not confined to the legal profession alone. Along with his professional work in the mornings, the evenings were devoted to social work. He kept himself fully informed about the fast changing world. His zeal and love for mankind touched every walks of life. He was deeply saddened at the lethargy of the people towards education, and realized that there was no future for the people without widespread general and higher education in professional and technical courses. Because of his enormous efforts, young men and women are seen holding high offices both in the Engineering and Medical fields.

The seeds sown by our founder more than a century ago have grown into huge tree providing shelter to the society in terms of education, employment opportunities and financial support; thus contributing to the welfare, prosperity and progress to the society. A visionary, far ahead of his times and life, Sri Ammembal Subba Rao Pai departed to the heavenly abode on 25th July, 1909, just three years from the day he started Canara Hindu Permanent Fund Ltd. Every canarite follows the path he has set and has remained a beacon of light taking forward the organization for over a century.

Though he shrugged off his mortal remains, he became a living soul and his philanthropic zeal continues to touch the lives of innumerable folks even today, through the organisation and every canarite.

Giant strides ahead

An institution grows in the shadow of the founder. It was this star went ahead and created a universe of its own which emanates radiance in the form of talented and committed individuals and shall continue to emanate this radiance for a long time. Coming together is a beginning, keeping together is progress and working together is success.

The institution relentlessly draws enormous inspiration from its founder who continues to be the beacon to all our endeavours to lead us on the path of righteousness. Sound founding principles, enlightened leadership, unique work culture and remarkable adaptability to changing banking environment have enabled Canara Bank to be a frontline banking institution of global standards. Integrity, honesty and discipline are the foundations of our great organisation.

The onset of pandemic has posed a great challenge for recovery. The quality of retail loans has deteriorated because of large-scale job losses. Even in such adverse situation the Bank has survived the onslaught and only indicates it's strong foundation that has been laid and also the legacy of hard work, dedication of the work force and the ethics we have developed and being passed on from generation to generation.

With change being the only constant in Banking Industry, Canara Bank has remained leader in every facets of Banking domain - true to the founding principles sown and imbibed by our founder - Sri. Ammembal Subba Rao Pai.

"Banks are to the economy what the heart is to the human body. They cycle necessary capital through the whole, and they are barely noticed until pressure, necessity, or crises."

- Hendrith Smith, in his commentary on the Banking Industry

Canara Bank & its vision to become the largest PSB



Abrar Ul Mustafa
 Manager
 IIM Manawala,
 Chandigarh CO

The covid pestilence has subsided. Economies across the map have rebounded from brink to business. Vaccination programmes and eased clampdowns have given a breath of relief. Banks in India have also witnessed improved performances in the second quarter of the current financial year. Post covid, trajectory of growth and business is promising. Yet, banks have been cautious. The reasons are comprehensible. Covid shattered incomes and economies. While lending in India was growing at 12% before the plague, now this figure stands at just over 5%. Loans to corporate and consumers have dried up. The restructure ambush and defaults in the offing are additional threats that may gravely challenge the banker in near future. Despite the odds, with the right mix of strategies, future scenarios can be dealt with positively.

Banking is the bloodstream of the Indian economy. The government's monetary policy seeps into the market through banks. Currently, the Public Sector Banks (PSBs) have assets worth ₹107.83 lakh crores. Bank credit, according to the Reserve Bank of India (RBI), has risen to US \$1.46 trillion. The massive financial inclusion plan Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) has given inclusion to more than 42 crore unbanked Indians. Banks are doing better concerning the management of NPAs and recovery. With a record recovery of over ₹15,000 crores in the financial year ending 2019, Indian Banks have recorded a recovery of ₹4,00,000 crores in the last four years. The Indian Banking sector is huge and comparatively better poised. According to a recent report by RBI, banks in India are sufficiently capitalised and well regulated. However, we cannot ignore that massive challenges are waiting for the fragile and ailing banking sector.

Canara Bank's position in the Indian Banking sector

Canara Bank is the third-largest Public Sector Bank in the country. It has recently surpassed the Bank of Baroda.

With an age-old principle of unmatched and uncompromised customer service and diligent banking, Canara Bank has grown by leaps and bounds. It has remained off from big frauds and lenient and irresponsible lending. As of June 2021, just after the covid pandemic period, it has recorded a profit of ₹1,177 crores. The amalgamation of the erstwhile Syndicate Bank has added achievements to its name. Canara Bank is now a profit-making big bank with comparatively better gross and net NPA figures of just over 8% and 3% respectively.

The recent 'Rewards and Recognition' programme has also been successful. It is a well-established mantra in the books of business administration, management and motivation that employees must be recognised for their good work and must be suitably rewarded. The acknowledgement of a worker's contribution works wonders. It keeps the staff motivated. What can't be achieved by money can be achieved by words of appreciation. Likewise, recently, Bank introduced the system of mandatory leave. With the growing stressful banking environment, employees have been suffering from stress, depression and lack of job satisfaction. This is a definite step towards reviving and relaxing the minds of the employees. This is certainly being looked at positively by over 88,000 employees of the bank. In the banking industry, Canara Bank pays its employees handsome salaries, allowances and extends matchless welfare benefits that are hardly seen in other banks. Of late, the top management of the Bank is reaching out to people in the remotest parts of the country. The recent visits to Ladakh and Srinagar in the north have sent positive signals to that untapped geographical area. With a considerable presence of the bank in these areas- which is a grey area compared to SBI and PNB-in future, new avenues of business and inclusion would certainly open up. This outreach programme is one of a kind. With

this and the positive gossips in the economy, Canara Bank is now robust with a vision of becoming the largest Public Sector Bank in the country.

Challenges ahead for Canara Bank and different ways to grow

All great milestones are achieved by standing strong and facing challenges and overcoming them one by one. The covid pandemic has posed challenges to Canara Bank too. With the central bank's two time restructure framework in 2020 and 2021, a very fragile cycle of debt has occurred. People have availed of the restructuring facility to delay their payables to banks. This, however, means more debt. It is going to be like an ambush that waits to be contacted. As per a recent report by International Monetary Fund (IMF), 36.9% of the total debt in India is at risk and banks can absorb only a 7.9% loss. There are going to be defaults in the coming times. But by being proactive and following the prescribed norms, we can be prepared to deal with this upcoming challenges.

Effective use of technology:

In addition to this, the growing digitisation is something that is catching up fast. Those working with the consumers on the ground have time and again witnessed the hardships faced in encouraging the customers to use our tech products. Convenient and timely technical support to the branches makes a world of difference as where staff is ready to serve, systems also supports. There is another chapter to the story. With the boom in digital currencies like Bitcoin and Ethereum, technological advancements have become un-ignorable. Digitisation is going to be the future and banks cannot escape.

Designing competitive and attractive product mix:

Of late, the industry deposit rates have been dwindling. Today, we are losing a big chunk of fresh deposits to our competitors because of the reduced rates. A carton of bulk deposits from corporate and premier educational institutions like the Indian Institute of Management (IIMs) across the country-those are subject to CAG Audit- is slipping and going to banks like BOB. Apart from this, on the credit side, while other banks like HDFC, Punjab and Sind Bank, etc have considerably reduced interest rates-for example, P&S Bank's 6.65% on Housing Loans and 7% on Gold Loans-we need to follow suit soon.

It becomes difficult to garner fresh deposits when the rates are not competitive. This aspect requires a rethink. Moreover, traditional RDs and FDs are not attractive anymore. We need to design and come up with attractive and competitive products.

Building revenue-generating assets:

At many places, our bank owns some property in the shape of land and building. One, We should convert these properties into revenue-generating assets and two; we should keep buying properties wherever possible for rentals and revenue. This could be another income generating idea.

A happy and relaxed employee means a progressing organisation:

An employee is the most important asset of an organisation. It appreciates with time. In today's banking world, employees are under stress and depression. It needs to initiate various activities and clubs wherein employees may relax and recuperate. For example, one activity to keep an employee happy would be giving wings to his or her hobbies and talents. Likewise, building sports clubs, music clubs, writing clubs and the like may prove very beneficial for the employees as well as the bank. Such activities may prove to be of mutual growth and satisfaction. A satisfied and happy employee works wonders.

Postscript:

The banking industry is a huge sector in India. It is poised well in the economy. It is regulated and enjoys the backup support of the government. The sector, however, has been going through the challenges of NPAs, frauds and recently the pandemic. This has posed new threats and challenges. While some banks derailed from the track, Canara Bank has been upkeeping its legacy of being a strong, profitable bank. Its 124-year-old legacy stands out. People trust Canara Bank. They see it as a bank that respects its customers and serves them with a smile. This, coupled with the targeted customer-centric and technologically sound strategic development and focussed modification of the product mix, would certainly lead Canara Bank towards the vision of becoming the largest Public Sector Bank. The sky is open and limitless.

OF COURSE, I AM BANK CASHIER.
BUT I AM NOT WORKING FROM
HOME. YOU HAVE TO GO TO
THE BANK



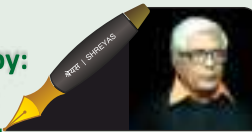
kan



THEY RAN SHORT OF
ROCKET FUEL SO THEY
FILLED WITH BOOSTER
DOSES.

kan

Refer to "drawer" by:
K P Ramesh Rao



WE HAVE DONE AWAY WITH GUNMEN
AT BRANCHES. WITH MASKS ON THEY
LOOKED MORE LIKE BANK ROBBERS



MANAGER

kan

DAD, I WANT
MY POCKET-MONEY
IN BITCOINS,
NOTHING
LESS



kan

LEGAL STATUS OF CRYPTO CURRENCIES IN INDIA

Renjith Chandran R
Deputy General Manager
RL&FP Wing, Head Office



With the outset of virtual markets diluting the traditional concepts of borders across the world, the money market has also been witnessing unprecedented changes. The cross border transactions using the virtual / crypto currencies are posing various legal as well as regulatory challenges across jurisdictions. A crypto currency or a virtual currency can be termed as a token or a code having a certain inherent value assigned to it which can be exchanged and can be used in a financial transaction or an investment. The virtual currencies emerged as person to person electronic cash system that allows online payments to be sent directly from one party to another without availing the services of any intermediaries. The Financial Action Task Force defines the virtual currencies as a digital representation of value that can be traded digitally and functioning as (i) Medium of exchange; (ii) a unit of account; and/or a store of value, but not having a legal tender status.

The crypto currencies like Bitcoin are created by way of 'mining' wherein the users solve artificial mathematical problems by dedicating their computational power to the crypto-currency network. The mining is used to confirm waiting transactions by including them in block chain, which is created on a regular time intervals. It relies upon public and private keys to transfer value from one user to another and is signed cryptographically each time it is being transferred.

According to Satoshi Nakamoto, the anonymous founder of Bitcoin, the financial intermediaries, banks, Central Banks and other Regulators exist and are required in the money market mainly because of lack of trust in dealing with unknown parties and that if all transactions happen peer to peer without any intermediary, and are recorded in a ledger simultaneously, and are open to all, these financial and regulatory intermediaries shall become

redundant. This concept of blockchain network based transactions forms the basis of the crypto-currencies. The basic tenet of any crypto currency is that no individual or organisation may control/ regulate the production of such currency. The crypto-currency system itself sets a defined limit for production of the currency. This production rate is set by a predefined value which is publically known.

From 2013 and 2017, the Reserve Bank of India (RBI) and the Ministry of Finance had issued several advisories against the potential financial, customer protection and security risks pertaining to Cryptocurrencies. The Government as well as the Regulator had flagged the following concerns with respect to the Cryptocurrencies:

- i) Possibility of speculation and high Volatility;
- ii) Absence of established framework for recourse to customer problems / disputes / charge backs etc;
- iii) Possibility of being used for money laundering, terrorism funding and other criminal activities owing to the anonymity or pseudonymity offered by such currencies;
- iv) Exposure to Legal and financial risks posed by the cross border nature of the Currencies.

In the year 2018, RBI issued a circular through which it prohibited the entities which are regulated by it from dealing in Cryptocurrencies or provide services for facilitating any person or entity in dealing with or settling in Cryptocurrencies. Further, it also directed that if any regulated entities which have already provided such services should exit from such arrangement within three months. Through this circular RBI prohibited the use of Cryptocurrencies in India.

RBI Circular was challenged by the Internet and Mobile

Association of India in the Supreme Court. Internet and Mobile Association of India raised following contentions before the Supreme Court:

- ☞ Virtual Currency are not legal tender but tradable commodities and therefore they fall outside RBI's regulatory ambit.
- ☞ Even assuming that Virtual currencies were amenable to regulation by the RBI, the Circular nonetheless disproportionately impugned on the petitioners right.

The ultimate question that rose for the Court was whether the Virtual currencies are money market instruments which can be regulated by RBI or whether they are commodities which fall outside the regulatory scope of RBI.

It is pertinent to note that even though Supreme Court had quashed the said RBI Circular, it was categorically pointed out by the Court that so long as an intangible property can act under certain circumstances as money, it shall fall within the regulatory domain of RBI and RBI can definitely intervene and issue necessary directions. Court had further observed that anything that may pose a threat or have an impact on financial system of the country can be regulated or prohibited by RBI, despite the said activity not forming part of the credit system.

The Supreme Court had proceeded with the quashing of the impugned RBI Circular holding that it did not meet the test of proportionality. It was pointed out by the Court that even though the RBI Circular was not prohibiting or banning virtual currencies directly, the ultimate effect of the Circular was restriction of carrying out the Virtual Currency exchanges and the trading of Virtual currencies, which has not been yet prohibited by the Legislature. On this count the Court held that the RBI Circular is violative of the fundamental right to carry on occupation, trade or business under Article 19 (1) (g) of the Constitution.

Till date the following two bills have been drafted with the intended purpose of either regulating or banning the Crypto Currencies-

- a. Crypto Token and Crypto Asset (Banning, Control and Regulation) Bill, 2018; and
- b. Banning of Cryptocurrency and Regulation of Official Digital Currency Bill, 2019.
- c. The Cryptocurrency and Regulation of Official Digital Currency Bill, 2021.

The 2018 Bill was drafted and submitted by the Inter-Ministerial Committee on Virtual Currencies in 2018. The Bill contained a proposal (i) to prohibit persons dealing with activities relating to crypto tokens from falsely posing these products as not being securities or investment schemes or offering investment schemes due to gaps in the existing regulatory framework and (ii) to regulate Virtual Currencies (VC) exchanges and brokers where sale and purchase may be permitted. However this Bill was never tabled in the Parliament.

The 2019 Bill proposed to ban the mining, generation, holding, selling, dealing in, issuing, transferring, disposing of or using crypto currency in the territory of India. The Bill also proposed to restrict the direct or indirect use of crypto currency as a medium of exchange; or a store of value or as a unit of account and it explicitly proposed to prohibit the use of Crypto currency as a legal tender or currency at any place in India. However, Bill was not introduced in either house of Parliament.

The Government has now proposed to bring The Cryptocurrency and Regulation of Official Digital Currency Bill, 2021 in Winter Session 2021 of parliament which proposes to create a facilitative framework for creation of the official digital currency to be issued by the Reserve Bank of India. The Bill also seeks to prohibit all private cryptocurrencies in India, however it allows for certain exceptions to promote the underlying technology of cryptocurrency and its uses.

It is pertinent to note that even though Supreme Court had quashed the Circular issued by RBI, it had not negated the concerns flagged by RBI and the Government as to the threats posed by Virtual Currencies. The gravity of these concerns stems from the fact that they are shared with the similar seriousness by the other major Central Banks as well as IMF and FATF. A complete ban on the crypto currencies and making it a

punishable offence may not be in the advantage of the Government again owing to the cross border characteristic of such currencies. As the mining, holding, selling etc of such virtual currencies occur in the deep web, which uses virtual IP addresses situated across the world, makes it difficult, if not entirely impossible to conduct an effective prosecution. Imposing such a

blanket ban may also be counterproductive as the Government may not be able to levy tax on the otherwise available avenues of revenue. Hence it would be advisable and necessary to have a clear policy for regulating the Virtual/ Crypto Currencies especially owing to the cross border nature of these currencies and the underlying transactions.

DEPARTED SOULS



V. Balasubramanian
Ex-Staff

Infinity of Departed Souls world-wide!!
Far and Wide the Good Earth they live upon!!
Hither and Thither they Gather!
We know not where from they come
Vigorous search of the Soul searching Humanity
None knows to date back their start
No be all and end-all for their Journey!!
The Invisible, Immortal, Departed Souls
Like Ceaseless Sea-Wave Lines they go oceanic
As Vigilant watch and wards they get on
Crores of crowded Souls spread out!!
Very many souls immersed into the God All mighty
Noble perfect souls have no rebirths!
Amazing enough!! never we see the Souls!!
God Almighty determine their fate!!
At the Altar of Destiny we are mere Tools!!
Endless travel of unending Souls
Aching, jostling, jerking feverish Souls!!
We may come and we may go!!
Restless souls live upon forever!!

A success story built on Strong foundation



P. Srinivasamurthy
Senior Manager,
Marketing and GR wing
HO, Bangalore

19th Nov is observed as “Founders' Day” in Canara Bank to commemorate the birth anniversary of our beloved founder and visionary Shri Ammembal Subba Rao Pai. Born in 1906 in a small port town of Mangalore, Shri Pai's thinking and work were way ahead of his times. He started the first ever exclusive School for Girls, understanding the need to educate the girl child. Even today, our founders' day is celebrated with fervor at this School and at least one of the Top executives from our Head Office participates in this function without fail.

Shri Pai started our great Institution on 7 founding principles, mentioned as under:

- ◆ To remove superstition and ignorance.
- ◆ To spread education among all to sub-serve the first principle.
- ◆ To inculcate the habit of thrift and savings.
- ◆ To transform the financial institution not only as the financial heart of the community but the social heart as well.
- ◆ To assist the needy.
- ◆ To work with sense of service and dedication.
- ◆ To develop a concern for fellow human being and sensitivity to the surroundings with a view to make changes/remove hardships and sufferings.

These were the very bricks on which our Bank has been built was able to withstand the test of time. As we celebrate our 116th “Founders' Day”, it is very pertinent to take a step back and introspect, as to whether we are continuing to do our business by abiding to these sound founding principles.

Spread Education and eradicate Superstition and Ignorance:

Our Bank is a pioneer in providing educational loans to the merited students and as at 30.09.2021, our

education loan portfolio stood at ₹12,719 cr. This has enabled lakhs of students to pursue higher education and transform not only their lives but also their family members.

In addition to this, our Bank continues to educate its customers on several facets of banking through regular Social Media messages, with an objective to break the myth and also remove their ignorance on banking and banking related matters.

Promote Thrift & Savings:

Bank has been promoting Savings through its varied and customized Deposit Schemes catering to segments of the society. Canara Champ, a unique Savings Bank product for Children, Canara Dhanvarsha, a unique Recurring Deposit Scheme and Khamadhenu deposit Scheme are some of the innovative Savings products introduced by the Bank to promote Savings and thrift. Bank joined hands with the Govt. of India to drive the Jan Dhan schemes across the country to promote thrift and savings amongst the unbanked and lower strata of our society. As at 30.09.2021, Bank's deposit figures stood at ₹9.8 lakh cr and the balance in Jan Dhan accounts stood at ₹6089 cr. Apart from deploying Business Correspondents (₹ 11,881 cr worth transactions) to cater to the banking needs of Rural/real India, Bank has also promoted Regional Rural Banks like Karnataka Grameena Bank, Andhra Pragati Grameena Bank, Kerala Grameena Bank and Karnataka Vikas Grameena Bank to promote thrift and savings in rural belt.

Being a Social Heart and assisting the needy. Business ke saat Insaniyat!

Today, our Bank is the 3rd largest PSB in the country with a total business of ₹17.19 lakh cr. We are considered as

one of the systemically important banks in the country. Our Priority sector advances stood at 46.27% as against the mandated 40%. Farming community which is the backbone of our nation, is being served and supported well by the Bank through its various farming dedicated schemes like the KCC etc. Through our advances schemes we are helping the SHGs, Women Entrepreneurs & other businesses to grow.



The corporate India is served with customized loans, advances and services to propel their businesses and economy. Special focus on MSME businesses, which is the life line of the Indian economy. A bouquet of retail loans to cater to the needs of each and every individual, especially their housing needs.

We are creating value to shareholders by delivering consistent results. We are creating value for our partners and vendors. We are paying taxes to the Govt., every quarter. Collecting taxes on behalf of the govt. Implementing several Social Security & Mudra schemes on behalf of the govt.

Bank is also providing employment and nearly 90000 families are being taken care by this great Institution and not to forget the thousands of Ex-employee families.

Long before Stand Up India and Upskill India were introduced by the Govt. of India, Bank had set up RUDSETIs across India to provide Skill and job oriented training to the rural and urban youth. Lakhs of people have benefited from these trainings and are leading a successful and happy life, today. The RUDSETI concept became the blue print for Govt of India to promote employment amongst the rural youth.

Bank has also set up Computer Learning Centre for the poor and the needy, with an objective to equip them with basic Computer knowledge, which would help them to get employment. Bank has dedicated CED for Women cells across India providing job oriented training programs to help women set up their business ventures and become self-reliant.

With an objective to revive the businesses which were affected due to COVID 19, Bank has sanctioned Special packages and loans under Guaranteed Emergency Credit Line, PM SVANidhi & Health Care Sector.

Work with dedication to make changes/remove hardships:

A dedicated work force of nearly 90000 across 9800+ branches are catering to the needs of the customers. Additionally, a dedicated call centre is available to address the issues of the customers over a phone call. A robust Social media redressal team to attend to the complaints raised on Social media platform. Servicing lakhs of Pensioners a/cs. Robust implementation of Social Security Schemes like PMJJBY, PMSBY insurance schemes across branches to assist the customers to overcome hardships and sufferings. Bank has also tied up with Insurance companies to provide Life, Health and General Insurance Schemes and protect the customers against various risks associated with their lives and businesses.



Today, we can proudly say that serving the society has become our business. The 116 years old founding principles still act as the guiding light for us in our day to day work. Our Bank's fortune is inter linked with the growth of the society and nation and this truth was identified and realized by our great founder Shri Ammembal Subba Rao Pai a century ago. Society's Welfare is our Welfare! Happy Founders day to all!

एक छोटी सी शुरुआत



बी के उप्रेती

वरिष्ठ प्रबंधक (सेवानिवृत्त)
केनरा बैंक

वर्ष 2020 के फरवरी माह में 37 साल के कार्यकाल के बाद मैं बैंक से सेवानिवृत्त हो गया। सेवानिवृत्त होने के बाद मेरे दोस्त और सहकर्मियों ने भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा तो मैंने जवाब दिया कि जो काम मैं सर्विस के दौरान नहीं कर पाया उनको अब पूरा करूंगा, क्योंकि बैंक के कार्यकाल के दौरान हम कुछ काम नहीं कर पाते क्योंकि उन कार्यों को बहुत समय देना पड़ता है।

ऐसा ही एक कार्य था घर का नवीनीकरण जो कि कई वर्षों से पेंडिंग था, जिसके न होने के कारण घर वालों की तरफ से बहुत कुछ सुनना पड़ता था और कई बार अपमानित भी होना पड़ा। अब मैंने सोच लिया था कि सेवानिवृत्त होते ही घर के नवीनीकरण को प्राथमिकता दूंगा और जल्दी से जल्दी पूर्ण करने की कोशिश करूंगा। एक कहावत है कि 'घर से निकले ही थे कि आसमान से ओले पड़ने शुरू हो गए'। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। 28 फरवरी 2020 को सेवा निवृत्त हुआ और मार्च के महीने में ही नोवेल कोरोना वायरस की महामारी से देश ग्रस्त हो गया। यह महामारी इतनी तेज़ी से फैली कि पूरा विश्व ही इसकी चपेट में आ गया। महामारी भी ऐसी जिसकी न कोई दवा न इलाज और मरीज़ के संपर्क में आते ही तेज़ी से संक्रमण फैल जाता था। छह महीने के लॉक डाउन के बाद और कई पाबंदियों के साथ लॉक डाउन में ढील दी गई।

इसी दौरान मेरे घर के बाथरूम की हालत बहुत खराब हो गई थी। बाथरूम के वास बेसिन से पानी लीक हो रहा था जिससे पूरे घर में सीलन आ गई थी। घर के नवीनीकरण की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था, सोचा कि किसी तरह से वॉश बेसिन ही बदलवा देता हूँ तो शायद कुछ समस्या का समाधान हो जाए। मैंने सोसाइटी के प्लंबर से संपर्क किया तो उसने 2 दिन में सब कुछ ठीक करने का आश्वासन दिया। मैंने मन ही मन सोचा कि किसी तरह से परिवार के अन्य सदस्यों को कार्य के दौरान कमरे में कैद कर दूंगा और यह छोटा सा काम करवा लेता हूँ। ठेकेदार ने आश्वासन

दिया कि कार्य करते वक्त सरकार द्वारा कोरोना वायरस के प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाएगा, जैसे कि मास्क लगाना और उचित दूरी बनाए रखना और उसके आश्वासन के बाद मैंने काम करवाने का मन बना लिया।

जैसे ही उसने काम करना शुरू किया और वॉश बेसिन को तोड़ा तो उसने बताया कि वॉश बेसिन बदलने से समस्या ठीक नहीं होगी क्योंकि बाथरूम की सभी पाइपों में जंग लग गया है और इसीलिए सभी पाइपों को बदलना होगा, तभी इस समस्या से छुटकारा मिलेगा। अब बाथरूम में तोड़फोड़ हो चुकी थी और कोरोना महामारी के डर से मैं काम फैलाना नहीं चाहता था। लेकिन मरता क्या न करता, डरते-डरते मैंने ठेकेदार को बाथरूम को तोड़ने तथा पाइप बदलने की हामी भर दी। उसने भी जल्दी से जल्दी काम खत्म करने तथा कोरोना प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए कार्य को पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

मात्र 10 दिनों में ठेकेदार ने मेरे घर के वॉशरूम की काया पलट दी। वॉशरूम काफी सुंदर और आधुनिक बन गया था। अब इस वॉशरूम के सामने मेरे घर का दूसरा वॉशरूम जो पहले बहुत सुंदर लगता, वह अब इसके सामने फीका लगने लगा।

सफलतापूर्वक काम खत्म होने के बाद मुझमें जोश आ गया। मैंने ठेकेदार से कहा- 'क्या आप दूसरे वॉशरूम का भी नवीनीकरण कर दोगे?' उसने कहा- 'सर अभी लेबर लगे हुए हैं, यदि आप कहें तो दूसरे बाथरूम की पाइपें भी बदल देता हूँ और यह कार्य भी अगले 10 दिन में पूरा हो जाएगा।' मुझे उसका सुझाव अच्छा लगा और यह काम भी उसको सौंप दिया।

ठेकेदार ने अगले 10 दिन के अंदर दूसरा वॉशरूम भी चकाचक कर दिया। अब मुझमें और हिम्मत आ गई और मैंने सोचा कि यदि दोनों वॉशरूम की पाइप गल गई है तो किचन की भी पाइप गल गई होंगी। ठेकेदार ने कहा- 'सर बिल्कुल गल गई होंगी

क्योंकि पाइपों की लाइफ 15 साल की होती है', तब मैंने उसको किचन के नवीनीकरण का काम भी सौंप दिया और यह कार्य भी अगले 10 दिन में पूरा हो गया। इसी तरह से मैंने लगे हाथ बालकनी के सौंदर्यीकरण का कार्य भी करवा लिया। जब सारे घर में टूट-फूट हो गई थी तो अब वाइटवॉश कराना ज़रूरी हो गया था। मैंने ठेकेदार से पूछा, 'क्या वाइटवॉश करवा दोगे'। उसने कहा '15 दिन के अंदर यह काम भी संपन्न कर दूंगा'। इस तरह से 2 महीने में पूरे घर का नवीनीकरण हो गया जिसकी योजना मैं कई वर्षों से बना रहा था और कोरोना महामारी के कारण जो कार्य असंभव सा लग रहा था।

मेरे घर के नवीनीकरण की शुरुआत घर के वॉशरूम के छोटे से रिपेयर के काम से शुरू हुआ और उस छोटी सी शुरुआत से कड़ियां जुड़ती गईं और पूरे घर का नवीनीकरण हो गया जो असंभव सा प्रतीत हो रहा था। इस कार्य की सफलता से मुझे यह ज्ञान मिला कि यदि इरादे नेक हो और शुरुआत अच्छी हो तो एक छोटी सी शुरुआत बड़े काम को अंजाम दे सकती है।

मैं एक लेख पढ़ रहा था जो कि लिज्जत पापड़ बनाने वाली संस्था की सफलता पर लिखा गया था, जो हम सभी के लिए अनुकरणीय है। एक छोटी सी शुरुआत एक बहुत बड़ी संस्था को जन्म दे सकती है। वर्ष 1959 में 7 महिलाओं ने रु.80 की लागत से मुंबई के एक मकान की छत पर पापड़ बनाने का काम शुरू किया। पहले दिन ही 1 किलो पापड़ बनाने पर उनको 50 पैसे का शुद्ध लाभ हुआ और दूसरे दिन 2 किलो पापड़ बनाने से एक रुपए का लाभ हुआ। इस सफलता से सभी महिलाओं को बहुत खुशी हुई और उनके अंदर विश्वास जागा कि वह सब मिलकर कुछ अच्छा कर सकती हैं।

बस इसी विश्वास से सभी ने मिलकर सच्ची लगन और ईमानदारी से काम किया और इस संस्था ने विशालकाय रूप ले लिया। अब इस संस्था का हर वर्ष रु.1600 करोड़ का टर्नओवर है, रु.80 करोड़ के लगभग का आयात तथा 17 प्रदेशों में 22 ऑफिस और 45000 घरेलू महिलाएं इस कार्य से जुड़ी हैं और रोजगार पा रही हैं। यह संस्था सहकारिता के आधार पर काम करती है जहां केवल लाभ अर्जित करना ही संस्था का उद्देश्य नहीं है बल्कि समाज की महिलाओं का आर्थिक उत्थान तथा महिलाओं के सशक्तिकरण को भी प्राथमिकता दी गई है।

ऐसी ही एक छोटी सी शुरुआत सालों पहले हमारे बैंक के

संस्थापक श्री अम्मम्बाल सुब्बा राव पै जी ने 1.7.1906 को 'केनरा हिंदू परमनेंट फंड लिमिटेड' की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य आम आदमी को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करना था।

यह वह समय था जब भारतीयों को बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। यदि थीं तो वह आम आदमी की पहुंच से बाहर थीं जो बहुत अधिक ब्याज दर पर उपलब्ध थीं। छोटी रकम के ऋण गरीब किसान, मजदूर और लघु व्यापारी और कार्तकारों को नहीं दिए जाते थे। उस समय बैंकों पर कोई सरकारी कंट्रोल नहीं था। कुछ लोग मिलकर बैंक की स्थापना करते थे और गरीब लोगों को जमा पूंजी पर लुभावने ब्याज दर का झांसा देकर उनकी मेहनत की पूंजी लेकर भाग जाते थे। उस समय बहुत से बैंक दिवालिया हो रहे थे।

सर्वे भवतु सुखिनः के उद्देश्य से श्री अम्मम्बाल सुब्बा राव पै जी ने केनरा हिंदू परमनेंट फंड लिमिटेड की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य कम ब्याज दर पर गरीब, असहाय कृषक और लघु व्यापारियों को ऋण, छोटे व्यापारी और कारीगरों के लिए छोटा ऋण, जमाकर्ताओं की जमा पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना था। बिना किसी सामाजिक और आर्थिक भेदभाव के सभी को उत्तम बैंकिंग सेवाएं सस्ते ब्याज और सुगमता से उपलब्ध हों। यह मात्र रु.50,000 की पूंजी से शुरू हुई और शुरुआत में केवल चार कर्मचारियों द्वारा संचालित केनरा हिंदू परमनेंट फंड लिमिटेड की प्रथम बैलेंस शीट के व्यापारिक आंकड़े बहुत उत्साहवर्धक थे यथा – जमा राशि डिपोजिट – रु.40000/- ; अग्रिम राशि – रु.84000/- ; शुद्ध लाभ रु.2420/- ।

वर्ष 1910 में केनरा हिंदू परमनेंट फंड लिमिटेड का पुनर्गठन हुआ और केनरा बैंक लिमिटेड बना जो आज बैंकिंग जगत का सरताज है और कारोबार के लिहाज से भारत में तीसरे नंबर का बैंक है।

यदि हम सब केनराइट मिलकर संस्थापना दिवस पर एक छोटी सी शुरुआत करें जिससे किसी का भाग्य खुल सके और हमारे देश के युवा/युवती स्वावलंबी बन सके तो यही हमारे संस्थापक श्री अम्मम्बाल सुब्बा राव पै जी को हमारी तरफ से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आइए, हम सब मिलकर 'टुगेदर वी केन' 'रहे संग बढ़े संग' की भावना से कार्य करें और बैंकिंग जगत में आसमं को छू लें।

एक महान नायक की महान गाथा



मोनालिसा पंवर

एकल खिड़की परिचालक
एलआईसी शाखा, जोधपुर

एक सोच थी
कुछ अलग कर जाने की
थी दिल में उमंग
एक नई दिशा दिखाने की
चल पड़ते हैं यूं तो कई उसी राह में
जहाँ बरसों से रास्ता बना हो
उनकी चाहत थी एक नई राह बनाने की।

कुछ नया कर जाना कहां आसां होता है
आती है राह में मुश्किलें
उनके लिए तो हर कदम कांटों भरा होता है
फिर भी वो चल पड़े
अपनी तकलीफों की बिना फ़िक्र किए।

नींव डाली एक नए समाज के लिए
उन पिछड़ों के लिए
जो थे मजबूर, असहाय...
जोड़ हाथों से हाथ एक नया इतिहास रचा
हमारे बैंक का निर्माण किया।

हर तरफ़ हो ऊर्जा का प्रसार
रहे शिक्षा का प्रचार
हर चेहरे पर रहें मुस्कान
एक नए सूर्य का हो आगमन
सपना था उनका हर घर रहे शिक्षा से रोशनी।

नहीं चाहते थे कोई भी पिछड़ा, उपेक्षित रहे
हर घर में हो खुशहाली और सभी संपन्न रहें
छोटी-छोटी पूंजी जोड़ने की वो कहानी थी
श्री अम्मम्बाल सुब्बा राव ने कहाँ हार मानी थी।

जलाई अलख और समाज
को नई दिशा की ओर मोड़ दिया
जनता की पूंजी को जोड़ने
के लिए बैंक का रूप दिया
अधिक पढ़ेंगे, समझेंगे जब वो बैंक से जुड़ेंगे
उनकी सोच कितनी सुहानी थी
इस तरह उन्होंने लिखी केनरा बैंक की कहानी थी।

Second wave impacts infrastructure finance:

Total infrastructure credit by banks and NBFC-Infrastructure Finance Companies (NBFC-IFCs) remained sluggish in the first quarter of the current fiscal due to the disruptions caused by the second wave of the COVID-19 pandemic, Icra Ratings said in a report. However, with the government's focus on infrastructure, the demand for infrastructure credit is likely to improve over the medium term, it said. "Given the disruption caused by the second wave of the pandemic, total infrastructure credit (banks and NBFCIFCs) remained sluggish in Q1 FY2022, with infrastructure-focused loan books remaining flat on quarter-on-quarter (q-o-q) basis for both NBFC-IFCs as well as banks," Icra said in the report.

Soon, transfer money without Net:

The RBI raised the per transaction limit for Immediate Payment Service (IMPS) transactions from ₹2 lakh to ₹5 lakh a day. This, market participants say will further boost the already burgeoning digital payments ecosystem in the country. The payments industry is jubilant over the RBI's decision to raise the per transaction limit for IMPS transactions. It is of the opinion that it will, particularly, open new opportunities in the B2B payments space. "This will lead to further increase in digital payments and provide an additional facility to customers for making digital payments beyond ₹2 lakh," the RBI said.

Bank profits to show steady rise despite provisions:

Listed banks are likely to post over 20% rise in profit in the second quarter (Q2) ended July-September 2021-22 (FY22) on improvement in collections and credit offtake amid pressure of slippages and provisions bill, revealed analysts. Based on analyst assessments, Bloomberg's estimates showed that for 19 lenders – five public sector and 14 private banks - profit would grow 21.7% to ₹32,075 crore in Q2 year-on-year (YoY). Domestic brokerage MOTILAL OSWAL also pegged 20% growth in profit after tax for banks under its coverage. In keeping with the gradual economic upturn, the pace of bank credit YoY gained traction. The banking system's credit rose 6.7% YoY in the second half of September, up from 5.6% in March, according to the RBI data. ICICI Securities in a preview said the reporting quarter will be characterised by an uptick in disbursements and collections, with recovery in business activity.

Four Indian lenders among top 20 banks in APAC in Q3, says S&P:

Four Indian lenders were among the 20 largest banks in the Asia-Pacific region in terms of market capitalisation in the third quarter of 2021, according to data compiled by S&P Global Market Intelligence. HDFC Bank was ranked seventh with a market cap of \$119 billion, which represented a quarter-on-quarter rise of 6.7 per cent. It was followed by ICICI Bank, which saw its market cap rise 11.2 per cent QoQ to \$65.5 billion, helping it move up three spots to 12th. State Bank of India climbed two spots to 17th on the list after its market cap rose 8.1 per cent to \$54.5 billion. Kotak Mahindra Bank made it to the list after logging a 17.5 per cent gain in market cap, the highest on the list. Elsewhere in the region though, the situation was grim.

Home loan get a fillip on low interest rates:

Favourable demographics, improved affordability of residential properties and historically low mortgage rates are pushing the demand for home loans, mortgage lenders said. Several major banks, mortgage companies and Housing Finance Companies have significantly reduced their interest rates on home loans during the festival period to encash revival in housing demand after the second wave of the COVID-19 pandemic. In some cases, the interest rate on home loans is as low as 6.5 per cent.

₹11,168 crore loans sanctioned in festive outreach programme:

Public and Private Sector Banks have collectively sanctioned loans worth ₹11,168 crore to 193,000 borrowers through the credit outreach programme during the festive season. As part of the government's nationwide credit outreach programme, the banks have sanctioned loans through 924 camps held in 405 districts from October 16-20. These loans are over and above those sanctioned and disbursed under the various central government loan guarantee schemes such as the Emergency Credit Line Guarantee Scheme. Highest advances of about ₹6,268 crore were availed of as business loans by over 100,000 borrowers. This was followed by agriculture loans worth ₹1,874 crore that were availed of by 62,616 borrowers. Housing and vehicle loans during the programme stood at ₹762 crore and ₹448 crore, respectively.



After five years of demonetisation, cash in circulation at near peak in 2021:

Despite the overall increase in the formalisation of the economy in the past five-six years, the key component of an informal economy - Cash in Circulation (CIC) as a percentage of GDP - has continued to rise year after year, barring in the year of note ban in 2016 when it fell to 8.7%, according to a report. According to the report by SBI Research, almost 80% of the economy has been formalised in the past five years with every aspect of the non-cash component of the economy including agricultural credit, gaining traction. In a detailed report on Monday, SBI Research said that after dipping to 8.7% of GDP in 2016, Cash in Circulation (CIC) as a percentage of GDP has climbed again to 13.1% so far this fiscal. It is only marginally down from the peak of 14.5% in FY21, which could be because of the pandemic-driven sense of insecurity and uncertainties.

Co-op societies can't use 'bank' in their names:

RBI The RBI on Monday cautioned the public against cooperative societies using 'bank' in their names as well as accepting deposits from people who are not their members. After the amendment in the Banking Regulation Act, 1949, effective September 29, 2020, co-operative societies cannot use the words "bank", "banker" or "banking" as part of their names, except as permitted under the provisions or by the RBI. In a statement, RBI said it has come to notice that some cooperative societies are using the word 'bank' in their names in violation of the Banking Regulation Act. It has also come to the notice of RBI that some co-operative societies are accepting deposits from non-members/nominal members/associate.

Balance sheet clean up:

Banks write off ₹46,382 crore in NPA in H1. Banks have written off bad loans amounting to ₹46,382 crore during the first six months of 2021- 22. As per the RBI guidelines and policy approved by bank boards, non-performing loans, including, inter-alia, those in respect of which full provisioning has been made on completion of four years, are removed from the balance sheet of the bank concerned by way of the write-off. "As per RBI data on global operations, scheduled commercial banks have written-off loans of ₹46,382 crore during the first six months of the current financial year 2021-22," Minister of State for Finance Mr Bhagwat Karad said.

Branches added by banks in FY21 at a decade low:

Banks added only 1,383 branches in FY2021, the lowest in a decade, as banking via alternative channels such as digital and Business Correspondents (BCs) gained traction amid the Covid-19 pandemic. Banks had expanded their branch network by 7,728 in FY20, according to RBI data. Another reason for the fewer branch additions in FY21 was that five large PSBs — Bank of Baroda, Punjab National Bank, Canara Bank, Union Bank of India and Indian Bank — went in for branch consolidation following amalgamation of select PSBs with them. As at March-end 2021, the network of offices of scheduled commercial banks increased to 1,54,485 from 1,53,102 as at March-end 2020, as per RBI data.

Whats App Pay, the messaging app's payment feature, will soon be available to 40 million users in India.

As per Reuters report, the messaging app has got approval from the National Payments Corporation of India (NPCI) to expand its WhatsApp Pay payments service to 40 million users in India. It is based on the Unified Payments Interface (UPI) platform The report reveals that WhatsApp Pay is currently available to only 20 million users in India. Now that the messaging app has got the nod from NPCI, the user base will get doubled. WhatsApp on the other hand had requested the government to remove the cap on users of its payment service in India. However, instead of removing the cap entirely, NPCI has given permission to expand the services to 40 million users instead of just 20 million.

NBFCs source majority loans from digital channels post-Covid:

The Covid-19 pandemic has accelerated the pace of customer acquisition through digital channels by NBFCs. Several non-bank lenders have focused on digital channels for loan applications and even the approval process, which helped with business continuity. Digital platforms not only enabled business continuity during the lockdown, but has also helped us process larger volumes with greater speed and efficiency. By September-end, HDFC received 89% of new loan applications through the digital channels, a substantial increase than below 20% pre-pandemic. The non-bank lender has witnessed 16.44% average traffic spike on its website post March 2020, while there has been a 35.58% hike in online generated leads.



The New Perspective on Free Trade Agreements in India



Dr Rashmi Tripathi
DGM
Economist, SP&D Wing
HO, Bengaluru

Summary

- ★ Recently, Indian Government is actively and aggressively engaging in FTA negotiations with geopolitically important trading partners and to revamp existing pacts to boost trade and help revive the economy from the pandemic induced slowdown.
- ★ Major reasons for the shift from earlier protectionist stance of trade policy are to economic growth, to benefit from Realignment of global Supply Chains, to achieve trade targets, strengthen geo-political ties with key economies and trade risk diversification.
- ★ The top five FTAs which are actively being pursued currently are with the United Arab Emirates (UAE), Australia, the United Kingdom (UK), Canada and the European Union (EU).
- ★ In light of the past experience regarding free trade agreements, India's trade policy needs to priorities development of an efficient complementary trading ecosystem, diversify export basket, put in place appropriate clauses towards anti-dumping policy and simultaneously taking care to safeguard the interests of the small exports oriented industries in the domestic economy.

Background

Recent shift in India's trade strategy is in contrast to the last decade, which was marked by India remaining passive about free trade agreements and holding back talks on important FTAs with countries like Australia, Canada & EU. Furthermore, India backed out of the

Regional Comprehensive Economic Partnership (RCEP) of 15 Asian-Pacific economies in November 2019, over concerns related to cheap Chinese imports and large trade deficit with RCEP countries.

The shift in strategy was observed in May 2021 with the announcement of resumption of India-EU talks, which had stalled in 2013. This was followed by the news that FTAs with other countries like the UAE, Australia and Britain, too, are in various stages of discussion.

Reasons for the Changed Stance on FTAs

The major reasons for this changed stance on free trade agreements are the following;

- To boost Economic Growth: Free Trade Agreements help open up the avenues to boost exports, attract foreign investment, better access to global markets and latest technologies, which will provide the much needed boost to economic growth momentum in the domestic economy.
- To Benefit from Realignment of Supply Chains in a Post-pandemic World: The pandemic had disrupted the supply chains across the globe and as the global economy is recovering from the lows of pandemic-induced slowdown, the supply chains are being realigned, Indian Government is trying to realize this opportunity to better strengthen its trade ties with key trading partners.
- To Achieve Higher Trade Targets: India targets to achieve a target of \$400 bn of merchandise exports in FY22 as compared to \$291 bn in FY21. Further India aims to achieve the ambitious target of \$2 tn in exports, comprising \$1 tn in merchandise exports and \$1 tn in services, by 2030. FTAs with key trading partners will go a long way towards achieving this goal.

- To Strengthen Geo-political Ties: The changed stance in trade policy is aimed at strengthening India's ties with key economies in the Indo-pacific region and Central Asia with a view to counter conflicts with China and as regional security is threatened by the Taliban takeover in Afghanistan.
- Trade risk diversification – Increasing the diversification in terms of product basket helps in hedging the unfavourable consequences on global and national trade due to geopolitical turmoil.
- Technology & Innovation: Better trade relations with key economies will lead to better integration of markets and facilitate transfer of skills and technology. This will further spur market competition and innovation, leading to optimisation of trade gains in the long run.

Free Trade Agreements in the pipeline

Currently, the top five FTAs which are actively being pursued are with the United Arab Emirates (UAE), Australia, the United Kingdom (UK), Canada and the European Union (EU).

All these countries are among India's major trade partners, except Canada. The UAE is India's 3rd largest trade partner while Australia and the UK are its 15th and 17th largest trading partners respectively. An FTA with the EU would include Germany and Belgium, which are India's 10th and 13th largest trade partners. According to market reports, India is currently negotiating bilateral trade deals with at least 20 nations.

Indian Perspective on Issues related to Free Trade Agreements

Despite the many benefits related to FTAs, experience has shown that there are downside risks to an emerging economy like India. In this regard some of the major issues to be considered from Indian perspective is as follows;

- **Unfavourable FTA's:** Market analysis has found that FTAs with the Association of Southeast Asian Nations (ASEAN), the Republic of Korea, Japan and Malaysia have largely benefitted India's trade partners than India and India's trade deficit has rather increased

with partner countries as India's import was more than exports to these countries.

Thus, the FTA negotiations should be product focussed and analysis of actual impact on trade balance should be taken care of in trade policy from time to time.

- **Higher transaction costs due to Inefficient complementary trading ecosystem:** For optimising gains under FTA, complementary trading ecosystem should be in place in terms of transparent regulations regarding tariff concessions, properly drawn Non-Tariff Measures (NTM) like regulations related to storage, customs clearance, packaging & labelling standards etc. It has been observed from various analysis that in India there is inadequate complementary ecosystem for trading in terms of lack of clarity regarding implementation of intricate norms of FTA among implementing officials, delay in customs clearance process resulting in longer duration of storage at ports, higher packaging and labelling cost to meet international standard etc. resulting in higher transaction costs.

The FTA negotiation should be properly deliberated upon to clearly draw regulations regarding tariff as well as non-tariff measures, customs clearance process, packaging & labeling standards etc. with the partner countries to develop a congenial and supportive trading ecosystem to optimize gains from trade.

- **Need to Diversify India's Exports Basket:** India's export basket has remained dominated by exports of refinery products, gems & precious metals, machinery and organic chemicals over the years. However, to boost trade gains from FTA, India needs to strategically diversify its export product baskets to expanding trade in IT, pharmaceuticals, biotechnology and health care sectors. Also, strategic priority needs to be given to have FTA with countries with complementary products and relatively small export baskets as compared to India.
- **Need for strong Anti-Dumping Policy:** A crucial aspect of FTA negotiation is to set appropriate clauses related to anti-dumping and conventional duties,

consistent with WTO guidelines to safeguard the economy from becoming a dumping ground and other misuses by different countries in absence of transparent norms.

The FTA negotiation should clearly define the transparency norms and policies consistent with anti-dumping and conventional duties as per WTO guidelines.

- Need to Protect small Domestic units while Incentivising economies of scale: Considering the severe impact of the pandemic on small exports oriented industries in the domestic economy, the upcoming FTA negotiations should be balanced against appropriate policy measures to safeguard

their interests as well policy measures to incentivise these small units to take advantage of the wider market access and potential to expand to gain from economies of scale.

The FTA negotiation should consider measures to safeguard the interests of the small exports oriented industries in the domestic economy, while incentivizing them to expand and gain from economies of scale.

Views/opinions expressed in this research publication are views of the research team and not necessarily that of Canara Bank or its subsidiaries. The publication is based on information & data from different sources. The Bank or the research team assumes no liability if any person or entity relies on views, opinion or facts and figures finding in this project.



Shreyas contest 2021
Cartoon - 1st prize



Jithendran P P
Divisional Manager
Malappuram LBO



प्रधान कार्यालय, बेंगलुरु में बैंक स्तरीय गायन प्रतियोगिता Bank Level Singing Competition at Head Office, Bengaluru



116th प्रधान कार्यालय में संस्थापक दिवस समारोह *Founder's Day Celebration at Head Office*



HEAD OFFICE

Inaugural function of the Vigilance Awareness Week 2021 was held at Head Office auditorium on 26.10.2021. Sri L V Prabhakar MD & CEO addressed on the occasion and administered the Integrity Pledge to the gathering. Sri Debashish Mukherjee, ED, Sri K Satyanarayana Raju, ED and Sri Shankar S, CGM, HR Wing, HO were present on the dais. Corporate Pledge was also administered by the MD & CEO to members of the Board. Sri B Uma Sankar, CVO Welcomed the gathering and proposed the Vote of thanks.



The Business Review Meet of MSME Sulabhs was held on 11.11.2021 and 12.11.2021 at Bengaluru. On 11.11.2021 the first batch of Sulabhs were reviewed by our Executive Director Sri K Satyanarayana Raju. ED along with Sri S Jayakumar, GM and Sri Rajesh Kumar Singh, GM reviewed the performances.



Sri K Satyanarayana Raju, ED inaugurated the Annual Compliance Conference 2021-22, held on 20.11.2021 at Bangalore. The compliance officials from Circle Offices, Head Office Wings and RRBs participated in the event. Smt. K S Jyotsna, GM, Reserve Bank of India (SSM-Canara Bank) addressed the participants.



Silver Jubilee Celebration of braille resource centre of Canara bank relief & welfare society was organised on 20.11.2021. Sri L V Prabhakar, MD & CEO was the Chief Guest at the Silver Jubilee Celebration, Mathruchhaya Braille Resource Centre, Karnataka. This Centre is a service wing of Canara Bank Relief & Welfare Society, which caters to the academic needs of the visually challenged students by transcribing text, story and general books in Braille and distributes to the needy blind students throughout the State of Karnataka.



INTEGRATED TREASURY WING

FX4U customer outreach cum training programme was organised at various regions. Through Fx4U customers can submit all types of forex transactions through their internet banking login. The application is user friendly and easy to operate. Sri Mahesh Pai, GM Visited Chennai Circle on 1.9.2021 and interacted with staff and customers in connection with FX4U. Sri M Veerasekaran, DGM visited Trippur RO on 27.08.2021 and Sri Remesh M K, DGM visited Hyderabad Circle on 7.9.2021.



Ms A Manimekhalai, ED visited Integrated Treasury Wing on 12.11.2021. During the interactive session with Executives and staff of Treasury and CPCFT, Sri S Ramasubramanian, CGM, Sri Santosh Kumar, CGM and Sri Mahesh M Pai, GM, were also present.



CIBM

A two-day Vishranti Programme for Executives was conducted for 34 Executives at CIBM, Manipal from 21-10-2021 to 22-10-2021. The programme's aim was to recognise the role that these Officers have played in the development and performance of our Bank. The Participants were given sessions like Health Management-Post Retirement, Managing Stress and Emptiness Post Retirement, Wealth Management among others.



A five-day First-Time Regional Heads' Training Programme was conducted at Canara Institute of Bank Management, Manipal from 08.11.2021 to 12.11.2021.

The programme was inaugurated by Sri Debashish Mukherjee, ED. Sri LVR Prasad, CGM, HR Wing and Sri Shankar S, CGM, HR Wing, spoke on the occasion. The programme was organised in association with T A Pai Management Institute, which is one of the leading B-schools in the country.



A three week Mid - Career Training Programme was conducted for 33 Scale IV Executives at CoE, Gurugram from 15-11-2021 to 04-12-2021. The programme was designed to improve the management and leadership skills of the executives through different group activities, team building exercises & interaction.



BENGALURU

Bengaluru CO participated as a home loan banking partner at the 3rd edition of the expo branded



as “Namma Mane” organised by Public TV real estate and sponsored by DS Max builder & others on 23rd & 24th October 2021. Sri Debananda Sahoo CGM, Sri H T Baviskar DGM, and other executives visited the Expo and interacted with the builders. A total of 123 leads were generated amounting of ₹43.51 crore.

Business Review Meet of branches headed by Scale IV and above of Bengaluru Circle was held on 30.11.2021. Sri Debananda Sahoo, CGM welcomed the participants and presented the performance of the Circle. Sri LV Prabhakar, MD& CEO and Ms A Manimekhalai, ED, reviewed the performances of the branches under major business parameters. Sri Bhavendra Kumar, CGM, Sri R P Jaiswal, Sri M John Emmanuel, Sri B Chandra Sekhara, and Sri B Sudhakar Kotary, General Managers, addressed the participants.



BHUBANESWAR

Sri B L Meena, GM, inaugurated a 'Gold Loan Plaza' at Puri main Branch under Regional Office, Bhubaneswar-I. On the occasion, Sri Prakash Pradhan, AGM Regional Office, other officials, branch heads and customers of the Puri city branches of Canara Bank were present.



Bhubaneswar, CO observed Vigilance Awareness Week 2021 from 26.11.2021 to 01.11.2021. A meeting was organised at Circle Office on 01.11.2021, which was attended by Sri Ganesh Chandra Pradhan, Assistant Superintendent of Police, Vigilance, Bhubaneswar. Sri G N Murthy, DGM, Sri Sushil Kumar, AGM and Sri P K Hota, Divisional Manager participated in the programme besides other staff members.



CHENNAI

The Business Review meet of the Chennai CO was conducted on 25 11 2021. Sri K Satyanarayana Raju, ED chaired the meet in which Region Heads, Executives from Circle, select ELBs, VLBs, SMA and ARM branches participated. Sri Nair Ajit Krishnan CGM and Sri Bhavendra Kumar, CGM, reviewed the performance of ROs/ CO/ELBs/ VLBs. Sri P Palanisamy CGM delivered the welcome address and Sri Shreekanta Mohapatra GM presented the Circle profile. Sri P V Janardhan Rao, GM, TO Wing, spoke about, customer service, digital products, portal management and digital platforms.



Canara Bank, the Lead district Bank in Coimbatore district organised a 'Mega Customer Outreach Programme' along with active participation of 22 major member Banks in Coimbatore on 26.10.2021. This Mega event was inaugurated by Sri P R Natarajan, Member of Parliament, Smt Vanathi Sreenivasan, MLA, & Smt Kavitha, Project Director DRDA, Coimbatore in the presence of Sri P Palanisamy, CGM.



Ms A Manimekhalai on her visit to Hubballi CO inaugurated the new premises of Large Corporate Branch on 23.11.2021. A review meet of LCB, MCB, ELB, select VLB Branches & Gold Loan Plazas was also organised. Sri G S Ravisudhakar, GM presented a brief performance of the Circle during the past one year. A CSR Activity was conducted in Hubballi wherein Solar Water Heaters were donated to M/s Sneha Sadan Charity.

GUWAHATI

An MSME Credit Camp was organised by MSME Sulabh Guwahati, at Kahilipara branch on 01.10.2021. Sri A G Akhilesh Kumar, AGM, Sri J K Sahoo, AGM, Executives from CO/RO and staff from Guwahati City Branches participated in the Camp. During the campaign period, loans amounting to ₹13.50 crore were sanctioned and 18 proposals amounting of ₹25 crore were sourced.



HYDERABAD

Sri Brij Mohan Sharma, ED visited CO, Hyderabad on 12.10.2021 and reviewed the performance of Circle and interacted with executives from Regional Offices, LCBs

HUBBALLI

Hubballi CO organised a Mega Can Adalat on 06.11.2021 which was chaired by Sri B Chandra Sekhara, GM, HO along with Sri G S Ravisudhakar, GM. Around 2400 customers from all the 9 Regional Offices attended the Adalat. A total of 1981 OTS accounts with a book liability of ₹29.74 crore were settled for ₹14.14 crore with spot recovery of ₹3.04 crore.



and MCBs at Circle office. Sri K H Patnaik, CGM presented the Circle's Performance under various parameters during the last financial year and in the current financial year. Sri Brij Mohan Sharma, ED also addressed all the staff of Hyderabad CO in a Town Hall meeting.

Hyderabad CO conducted a Walkathon on 01.11.2021 from Circle Office to Secunderabad East Metro Station. The Walkathon was to educate citizens to take active participation in making our country a prosperous Nation and eradicate the ills of corruption. The Walkathon was flagged off by Sri K H Patnaik, CGM. All the circle executives, along with the Regional Heads and staff of circle office took part in the event.



KOLKATA

Sri Brij Mohan Sharma, ED visited Kolkata Circle on 7th & 8th October 2021. Sri Sandeep J Gaware, CGM welcomed the Executive director. ED reviewed the performance of Circle, ROs, LCBs, MCBs, RAH & MSME Sulabh under all major business parameters and emphasized on Retail, Recovery & Inclusive Growth. He also addressed all the staff of Kolkata Circle in a Town Hall meeting through video conferencing.



MADURAI

As part of CSR activity, Madurai, CO donated apparels to the 37 inmates of Rojavanam Home, Uthankudi, Madurai for the Aged and Poor on 02.11.2021. Sri D Surendran, GM, Sri Pradeep KS, DGM, Sri R K Jeevaganthan, DM and other officials from our Bank were present on the occasion.



A Mega credit outreach program was conducted at Dindigul Region in coordination with Public & Private Sector Banks and Government Departments, on 28.10.2021. Sri I Periyasamy, Minister of Co-operative, Ex-Servicemen and Statistics, Sri P Velusamy, Member of Parliament and Sri S Visakan I.A.S, District Collector, Dindigul District participated as chief guests. Sri D Surendran, GM, delivered the Introductory address. 15 Banks represented their stalls in the programme.



MANGALURU

On the occasion of Dussehra, CO Mangaluru conducted 6 Days "Can Bazar Utsav" in association with District Small Industries Association, Women Wing from 10.10.2021 to 15.10.2021. The programme was inaugurated by Sri D Vedavyas Kamath, Honourable MLA. Sri Yogish B Acharya, GM, Sri S Suchithra DGM, staff from nearby

branches, Circle office & Regional office Mangaluru were present on the occasion. 30 to 35 women SHGs put up their stalls for selling their home made products, garments, Artificial Jewelleries etc.



CO, Mangaluru celebrated 116th Founder's Day of our Bank on 19.11.2021. As a part of the celebrations, many programmes were organised. Under CSR activity, DLP Projector was given to Chethana Child Development Centre for the special children and kitchen vessels were handed over to Samvedana home for HIV infected children. Canara Vidyajyothi scholarships were handed over to the eligible girl children. Padmashri Sri Harekala Hajabba, was felicitated for his great service to the society and a sanction of ₹1.50 lakhs under CSR was handed over for the developmental activities in his school.



MANIPAL

A credit outreach programme was conducted at Chitradurga, by our Bank in coordination with all public, private & Regional Rural banks and all other banks of the district on 16.10.2021 as per the DFS, GOI directions and as part of celebration of "Azadi ka Amrit Mahotsav".

Canara Bank is the lead bank in the district and also convenor of SLBC Karnataka. Sri Debasish Panda, Secretary, DFS, GOI inaugurated the credit outreach programme and it was attended by Ms Manimekhalai, ED, Sri B Chandrasekhara Rao, GM & SLBC Convenor and other executives.



A Customer credit outreach programme was organised by our bank on 22.10.2021 at Kuvempu Rangamandira, Shivamogga. Sri Ragavendra BY Hon'ble MP inaugurated the stalls and distributed the loan sanction letters to the borrowers. Sri Chandrashekar Rao, GM, welcomed the gathering. Sri Rama Naik, GM, Sri Sandeep Rao P, DGM, Sri Yathish M D, DM and other executives and staff participated in the programme.



The Committee on Subordinate Legislation, Rajya Sabha under the Honourable Chairmanship of Sri Partap Singh Bajwa was on a study visit to Goa from 29.10.2021 to 30.10.2021. The Department of Financial Services, Govt. of India identified Canara Bank, Goa as the Nodal Organisation to host the event. Our bank was represented by Sri L V Prabhakar, MD & CEO,



Sri Atul Kumar, GM and Sri Rama Naik, GM. Sri L V Prabhakar, MD&CEO felicitated the Honourable Chairman of the Parliamentary Committee Sri Partap Singh Bajwa at the end of the session.

Sri S K Mishra, DGM, gave the welcome speech. Panchayat President, Athiyanoor Grama Panchayat and Headmistress, Govt. Fort High School were given Funds under CSR activity.

THIRUVANANTHAPURAM

116th Founder's Day Celebration was conducted at Circle Office Thiruvananthapuram on 19.11.2021. Sri S Premkumar, GM, Executives from Circle Office and all other staff members were present during the celebration. Sri Jiji Thomson, IAS was the Chief Guest. Customers from select branches were also present.



VIJAYAWADA

Sri L V Prabhakar, MD & CEO visited Vijayawada Circle on 10.11.2021 & 12.11.2021. Smt K Kalyani, GM, along with Executives, welcomed MD & CEO. Sri M John Emmanuel, Sri B Chandra Sekhara, GMs and Sri Renjith Chandran R, DGM, also visited CO along MD & CEO. An Interactive Meet with 12 Regional Offices, 24 VLBs, Units viz., 5 RAHs, CPH & 2 ARMs was organised during his visit.



अंचल समाचार

अहमदाबाद

दिनांक 19.11.2021 को अंचल कार्यालय, अहमदाबाद में 'संस्थापक दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय शाखाओं के 5 सबसे पुराने ग्राहकों को श्री प्रणय रंजन देव, अंचल प्रमुख एवं महा प्रबंधक ने पौधे एवं स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सम्मानित किया। उन्होंने स्वर्गीय श्री अम्मैम्बाल सुब्बाराव पै की छवि पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया एवं उनके द्वारा दिए सात अमूल्य सिद्धांतों को याद

किया। श्री अमित मित्तल, उप महा प्रबंधक ने सभी कर्मचारियों को संस्थापक दिवस की शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के कार्यपालकगण और अन्य स्टाफ-सदस्य उपस्थित थे।

महाप्रबंधक श्री प्रणय रंजन देव की गरिमामयी उपस्थिति में भारतीय मूल के बाहरी (छ.ढ.उ.) ग्राहकों की विशेष बैठक : दिनांक 27 नवंबर, 2021 को अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक





श्री प्रणय रंजन देव जी की गरिमामयी उपस्थिति में कच्छ प्रांत के भारतीय मूल के बाहर रहने वाले अपने ग्राहकों के लिए एक विशेष बैठक आयोजित की गई। गुजरात का कच्छ प्रांत एन.आर.ई ग्राहकों के बाहुल्य क्षेत्रों में से एक है। इस बैठक के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय राजकोट के सहायक महाप्रबंधक श्री एम.पी.पांडा भी उपस्थित रहें। ऐसी धारणा है कि नवंबर से फरवरी माह में छठ एक बार अवश्य अपने घर आते हैं अतः इस विशेष बैठक का आयोजन भारतीय मूल के बाहर रहने वाले अपने ग्राहकों से बैंक के संबंध को और सुदृढ़ करना एवं अधिक से अधिक छठ अभियान में तेजी लाना है।

आगरा

दिनांक 12.10.2021 को अंचल प्रमुख श्री एस. वासुदेव शर्मा, महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय, आगरा के मार्गदर्शन में अंचल कार्यालय द्वारा 'कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' कार्यक्रम के तहत जोनल पार्क, शास्त्रीपुरम साइट सी रेसिडेंशियल सोसाइटी, आगरा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री संजय कुमार सिंह, उप महा प्रबंधक, श्री आनंद श्रीवास्तव, सहायक महा प्रबंधक और अन्य स्टाफ-सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में 50 पौधे लगाए गए।



दिनांक 19.11.2021 को अंचल प्रमुख श्री एस. वासुदेव शर्मा, महा प्रबंधक के मार्गदर्शन में अंचल कार्यालय, आगरा में 116वें संस्थापना दिवस मनाया गया। इस शुभ अवसर पर अंचल कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और हमारे संस्थापक श्री अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधान कार्यालय के कार्यपालकगण और कुछ सम्मानित ग्राहक वीसी के माध्यम से जुड़े रहें। ग्राहकों द्वारा केनरा बैंक के साथ अपना-अपना अनुभव साझा किए गए। अंचल प्रमुख द्वारा ग्राहकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 'कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' गतिविधि के तहत ज़रूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए।



चंडीगढ़

हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एल.वी. प्रभाकर ने जनता को एक ही स्थान पर नकद-आहरण और नकद-जमा करने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से दिनांक 24.10.2021 को चंडीगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'कैश रिसाइक्लर' का उद्घाटन किया। यह चंडीगढ़



अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थापित पहला 'कैश रिसाइक्लर' है। कार्यपालक निदेशक श्री देवाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक सुश्री ए. मणिमेखलै, कार्यपालक निदेशक श्री के. सत्यनारायण राजू, कार्यपालक निदेशक श्री बृज मोहन शर्मा और अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ के महा प्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री बी.पी. जाटव, चंडीगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अजय कुमार, अन्य कार्यपालकगण और स्टाफ-सदस्य उपस्थित थे।

दिल्ली

दिनांक 22.11.2021 को अंचल कार्यालय, दिल्ली द्वारा 'मेगा सरफेयसी एक्सपो' का आयोजन किया गया। श्री बृज मोहन शर्मा, कार्यपालक निदेशक द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। मुख्य महा प्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री एम. परमशिवम द्वारा कार्यपालक निदेशक का स्वागत किया गया। कार्यपालक निदेशक ने बैंकिंग कार्यप्रणाली के तीन महत्वपूर्ण पहलुओं- नकदी, ऋण चुकाने की क्षमता एवं उत्पादकता के बारे में सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने बैंक द्वारा सरफेयसी अधिनियम के तहत संपत्तियों के प्रभावी निपटान की नीलामी के लिए जनता के बीच प्रचार-प्रसार व जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में श्री अभय कुमार, महा प्रबंधक, श्री एम. विजय कुमार, उप महा प्रबंधक, श्री रजनीकांत, उप महा प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख और अंचल कार्यालय व क्षेत्रीय कार्यालयों के अन्य कार्यपालकगण और स्टाफ-सदस्य उपस्थित थे।



जयपुर

दिनांक 06.10.2021 को अंचल कार्यालय, जयपुर में श्री देवाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक की गरिमामई

उपस्थिति में सितंबर 2021 तिमाही की 'कारोबार समीक्षा बैठक' का आयोजन किया गया। समीक्षा बैठक में महा प्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री पुरुशोत्तम चन्द, उप महा प्रबंधक श्री अरुण कुमार आर्य एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे। महा प्रबंधक श्री पुरुशोत्तम चन्द ने कार्यपालक निदेशक का स्वागत करते हुए सितंबर 2021 तिमाही के दौरान अंचल के कार्यनिष्पादन संबंधी जानकारी प्रदान की। कार्यपालक निदेशक द्वारा सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, ईएलबी, वीएलबी, खुदरा आस्ति केंद्र, एमएसएमई सुलभ, बृहत कॉरपोरेट शाखा एवं मध्यम कॉरपोरेट शाखा के कारोबार संबंधी कार्यनिष्पादन की समीक्षा की गई। कार्यपालक निदेशक ने समीक्षा बैठक के दौरान सभी कार्यपालकों को मुख्य रूप से कॉरपोरेट के कारोबारी लक्ष्यों के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि हमारे बैंक को देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए।



करनाल

अंचल कार्यालय, करनाल द्वारा दिनांक 02.11.2021 से 03.11.2021 तक दो दिवसीय 'केन-उत्सव' का आयोजन



किया गया। इसमें महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए सामान की भव्य प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती सी.एस. विजयलक्ष्मी, अंचल प्रमुख एवं महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय, करनाल के करकमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। अंचल प्रमुख ने इस कार्यक्रम में लगाई गई सभी प्रदर्शनियों का अवलोकन किया तथा सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए इसे सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने की दिशा में प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में महिला उद्यमियों द्वारा विभिन्न प्रकार के सामान जैसे - कृत्रिम आभूषण, जूट बैग, अचार, मसाले सामान, मिट्टी के दीये और बर्तन आदि हस्तशिल्प सामान की प्रदर्शनी लगाई गई।

लखनऊ

दिनांक 20.10.2021 को अंचल कार्यालय, लखनऊ में अंचल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, खुदरा आस्ति केंद्र और एमएसएमई सुलभ के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। श्री शंभू लाल, महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय, लखनऊ द्वारा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की गई। श्री लोक नाथ, उप महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय, लखनऊ द्वारा प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। अपने स्वागत भाषण में श्री लोक नाथ, उप महा प्रबंधक ने सितंबर 2021 को समाप्त तिमाही में अंचल के कारोबार के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की और प्रतिभागियों को प्रधान कार्यालय और अंचल कार्यालय द्वारा आयोजित सभी अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। श्री शंभू लाल, महा प्रबंधक ने खुदरा एवं वसूली, गुणवत्तायुक्त खाते खोलने, ग्राहक सेवा, डिजिटलीकरण, जीईसीएल 3.0 आदि बिंदुओं सहित निर्धारित लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया।



दिनांक 13.11.2021 को हमारे कार्यपालक निदेशक श्री देवाशीष मुखर्जी की गरिमामयी उपस्थिति में क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी में टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्री शंभू लाल, अंचल प्रमुख व महा प्रबंधक, श्री शिशिर कुमार सिन्हा, सहायक महा प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी और अन्य कार्यपालकगण उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में खुदरा आस्ति केंद्र, एमएसएमई सुलभ, एमसीबी, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी 1 और 2 के करेसी चेस्ट से कुल 130 कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और हमारे संस्थापक श्री अम्मम्बाल सुब्बाराव पै के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। श्री शंभू लाल, महा प्रबंधक द्वारा कार्यपालक निदेशक का स्वागत किया गया और अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 30 नवंबर 2021 तक सभी मापदंडों में नकारात्मकता को दूर करने का प्रयास करें। कार्यपालक निदेशक श्री देवाशीष मुखर्जी ने अपने संबोधन में बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे खुदरा एवं वसूली, कृषि एवं एमएसएमई, कासा, एनआईएम आदि पर जोर दिया।



मुंबई

दिनांक 11.11.2021 व 12.11.2021 को अंचल कार्यालय, मुंबई में सुश्री ए. मणिमेखलै, कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में अंचल के क्षेत्रीय कार्यालय, एलसीबी, ईएलबी, वीएलबी, खुदरा आस्ति केंद्र एवं कासा व अग्रिम के तहत नेगेटिव शाखाओं की कारोबार समीक्षा करने हेतु बैठक का आयोजन किया गया। कार्यपालक निदेशक ने दिनांक 11.11.2021 को क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुखों, एलसीबी प्रमुखों, एमसीबी प्रमुखों, ईएलबी प्रमुखों, आरएएच प्रमुखों और मुंबई अंचल के अन्य कार्यपालकों के साथ परिचर्चा की। दिनांक

12.11.2021 को कार्यपालक निदेशक ने क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुखों, वीएलबी प्रमुखों और नेगेटिव स्थिति वाली शाखाओं (कासा और अग्रिम के तहत) और मुंबई अंचल के अन्य कार्यपालकों के साथ परिचर्चा की। दोनों बैठकों में श्री एस. रामसुब्रमण्यन, मुख्य महा प्रबंधक, एलसीसी विभाग, प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु उपस्थित थे।



पटना

दिनांक 26.10.2021 को क्षेत्रीय कार्यालय- ॥ पटना द्वारा आयोजित 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021' के उपलक्ष्य में सभी कार्मिकों द्वारा 'सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा' ली गई और दिनांक 28.10.2021 को 'सामान्य हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख व सहायक महा प्रबंधक श्री गणेश प्रसाद त्रिपाठी ने अपने संबोधन में बताया कि हमें जीवन के हर क्षेत्र में, चाहे वह कार्य क्षेत्र हो या सामाजिक या आर्थिक, सतर्क रहने की आवश्यकता है। क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्मिकों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सामान्य प्रशासन अनुभाग के वरिष्ठ प्रबंधक श्री पीयूष कुमार एवं प्रबंधक (राजभाषा) श्री पप्पु महतो द्वारा किया गया।



पुणे

दिनांक 11.11.2021 को श्री बृज मोहन शर्मा, कार्यपालक निदेशक द्वारा अंचल कार्यालय, पुणे का दौरा किया गया। श्री

सुबोध कुमार, महा प्रबंधक और अंचल प्रमुख ने अंचल कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों के अन्य कार्यपालकों के साथ कार्यपालक निदेशक का स्वागत किया। कार्यपालक निदेशक ने अपने दौरे के दौरान, अंचल कार्यालय के कार्यपालकों, क्षेत्रीय प्रमुखों और एलसीबी, ईएलबी, वीएलबी, आरएएच, एआरएम और एमएसएमई सुलभ के शाखा प्रमुखों को संबोधित किया। उन्होंने डी4 के तहत वसूली, हानि खातों, जीईसीएल ऋणों के वितरण, स्वर्ण ऋण शाखाएं, ताजा ऋण की मंजूरी, खुदरा जमा, शुल्क आधारित आय आदि सहित निर्धारित लक्ष्यों के बारे में विचार-विमर्श किया।



राँची

दिनांक 26.10.2021 से 01.11.2021 तक 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत के रूप में दिनांक 26.10.2021 को सभी स्टाफ -सदस्यों ने मिलकर संगठन के लिए 'सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा' ली। श्री हितेश चंद्र गोयल, अंचल प्रमुख एवं महा प्रबंधक द्वारा प्रतिज्ञा का वाचन किया गया। इस अवसर पर अंचल कार्यालय के सभी कार्यपालकों और कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा ली।



A Brave Act !!



Sri B M Vara Prasad
Manager



Sri M V Venkata Ramana
Officer

On 10.11.2021, at around 07.10 pm, at Chilamakur branch-ATM (Circle Office Vijayawada) there was a fire incident due to short circuit. The Branch Manager Sri B M Vara Prasad noticed smoke emitting from ATM room and immediately alerted local electricity department, local fire station and police department.

On that day branch had loaded ₹12 Lakh Cash in the ATM at 3.30pm and ₹11.39 lakh was available. The Branch Manger straightaway disconnected the power supply, took assistance of Sri M Venkata Ramana, Officer, and removed the ATM cash bins and kept them in branch custody. Soon the fire started spreading in the ATM room. The ATM machine, ACs, UPS and batteries were damaged due to fire. The fire engine department could put off the fire by 8.45 pm.

The quick, brave and timely action of the team saved valuable amount for the bank.

Fire accidents can cause great destruction and loss of life & property if unattended.

Team Shreyas appreciates the valiant effort and courageous action of the team.

**“Be brave. Take risks.
Nothing can substitute experience.”
– Paulo Coelho**



Shreyas contest 2021
Humorous Article - English
1st prize

MARVELLOUS IDEAS FOR MANAGING "GLOBAL CRISIS" (Ideas Awaiting Patent)



Gomathinayagam K
Divisional Manager
Technology Operations Wing,
HO Bangalore

GLOBAL CRISIS

It was a weekend afternoon without many commitments. With all dedication, I was preparing for the post-lunch slumber. Suddenly there was an intense urge in my mind to do some philanthropic activities. After careful introspection of various options, I decided to share few of the successful ideas for the benefit of entire mankind. These ideas have a commonality as they are "solutions" to a global crisis.

"What is the global crisis he is going to write about? Is it Eradication of Pandemics? Is it post-COVID recovery of the global economy?" If so many such questions mushrooming in your mind? Please stop your imagination engine. I am sorry to disappoint you. My brain is interestingly wired to switch to sleep mode within 30 seconds of thinking about such very serious global issues. Hence I have best left such issues to the so called experts. However my quest for philanthropy has taken me to another compelling and popular crisis i.e., the Mid-Age Crisis.

DEFINE THE SPECTRUM

Where the spectrum of Mid-Age starts and ends? All the people aspire to remain YOUNG-AGED forever; hence nobody knows when the Mid-Age starts. Similarly as no one wants to be OLD AGED hence nobody knows when Mid-Age ends as well.

To resolve this impasse there are few simple tests to ascertain whether one has "attained" Mid-Age. Here are they. Visualize yourself in the following scenes:

- Someone calls you "Uncle"
- The Tea/Coffee boy asks "Shall I add Sugar Sir?"
- A co-passenger in crowded bus offers you his seat as you are standing.

If you get annoyed while encountering any of these situations, then it is pretty sure that you are getting into Mid-Age spectrum.

CAVEAT

Beware Readers! There could be few underlying tricks in

this article which might tempt you to try it in real life. However, readers are reminded of the stunt-ads disclaimer. "These stunts are performed by trained Gutsy Professionals who feel the urge for taking risks... Hence not all can afford to try this." The author takes no responsibility for any untoward incidents that might occur if readers try these tricks in their life.

TITANIC AND TEA CUP

Obesity/overweight is the commonest Mid-Age crisis. Thanks to our mechanical life style. An average person gulps the breakfast quickly; munch the lunch with delay on most of the days. Finally he takes revenge on himself by bingeing on dinner which balloons his body.

On every January 1st, Is it not common to see traffic jams caused by new-born Joggers/Runners who are aspiring to get six packs? All such people are charged up by their New Year resolution (or hangover!). Just go and check the roads exactly after a week. Most of them might have dropped out eventually to return again on next January 1st. All these crash Jogs only "have a fat chance" in weight loss mission.

These ideas are like using tea cups to empty the sinking Titanic. How to appear slim without dieting/workouts? The only guaranteed way is, to wear Plus Sized Shirts or hang out with stouter people. You know, Theory of Relativity has been awarded Nobel Prize.

ROUND OR FLAT – The Ancient Debate continues

Heavily eaten Supper only create a new avatar Supper Man with bulky pot belly instead of Super Man. You often find people wearing pant right up to their pot bellies. If you consider the belly as Earth, then the waistline of pant is comparable with the Equator of the earth in the morning. But as the day passes, the pant slips very gradually to become like the Tropic of Capricorn on the southern hemisphere of earth. The ancient debate about earth "Round or Flat?" is suitable to tummy also. The bigger crisis for pot-belly men is to pose smart in the photo sessions. Nowadays I guess, before clicking a snap, one should call

“Tummy Tuck” instead of “Cheese / Smile”. Okay, how to camouflage the tummy in photos?

If possible make a kid to sit on your lap and “cover up” or you can sitting with your knee bent like few sportsmen pose in the team photos. But remember to take help from someone to get up or else you may stumble and fall.

SSS - STRANGE SLEEP SYNDROME

Strange Sleep Syndrome is another popular Mid-Age crisis which is not difficult to understand. A normal mid-age man gets SOUND SLEEP exactly when he MUST BE AWAKE. On the contrary he DOES NOT GET SLEEP when he MUST BE SLEEPING.

A monthly review meeting of Top-20 NPA branches in the Circle was going on. The Circle Head was addressing the gathering. He kept explaining the strategies then sought for action plans etc. The boss was on high pitch seeking the branch heads to give blood, sweat and tears and achieve the goal. Finally he told “As this monthly meeting is only for Top-20 NPA Branches in Circle, I do not want any of you to come to this meeting next month. Hence work hard to get out of Top-20 list and avoid coming to this meeting”.

The after lunch meetings always take tolls. A cursory glance by Circle Head on the row of participants exposed “a nodding Homer”. One of the Branch managers was caught being drowsy. The Circle Head, may be in best of his mood, prompted the attention of the drowsy Homer and asked, “Will You Attend Next NPA Meeting? “. The gentleman on waking up unexpectedly was totally clue less. But he dutifully replied “YES SIR, I WILL ATTEND...!” in loud tone. The Circle Head burst into laughter followed by all in the hall (except the Homer of course). The Homer was completely baffled on why everyone laughed.

I had noticed a strange habit of a colleague for managing this SSS. He was attending training with me. Strangely he used to wear sunglasses even during the training sessions. As I got curious and questioned him on his strange habit, he proudly admitted “You see; when you wear sunglasses nobody can catch us sleeping, But ensure you do not snore”.

CATCH - 22 – The Online Test by God

It is believed that as one approaches Mid-Age, God comes in his dream and conduct an online test with single question which has only 2 choices as answers. “What you opt for – Grey Hair or Go Bald? “. Beware, if you do not reply, you may end up getting both grey hair and bald head.

People having great faith on their “Artistic Skills” may choose for Grey hair and eventually spending the whole weekend on hair colouring sessions. Excessive black patches here and there are testimonies for their self-hair-care strategy. On the other hand, “time-conscious” buddies may opt for Going Bald. For them, combing gets easier and colouring is added burden on the routine. They may claim to have saved enormous man-hours over their life span. A theory in favour of baldies is being propagated through gossips. “Vaster the Baldness Higher the Intellect”.

Pause. How to clear this Catch-22 online test? Maybe you can Go Completely Bald and Try a Tatoo on head. Yes. It may look revolutionary. But you may be called a trendy/fashion loving man by younger folks. This idea surely awards you with a bonus by way of saving a lot of expenditure on oil, hair-colour, shampoo etc.,

10 MINUTES THEORY

Most common sight on Monday morning is to see pale faced people all around the office. You may wonder, 'Are they being taken to the gallows at end of the day?'. Many wrongly attribute this Monday syndrome to work pressure of the ensuing week. But the real reasons are the war of words at home during weekend. As the weekend starts, people venture into long conversations with life partner unmindful of the risks involved. But end up wasting almost the entire day on arguing and failing. Such long heated talks dampen their moods which eventually make them come pale faced every Monday.

This is where the 10 Minutes Theory helps. If you plan to talk 60 minutes with your partner, break it into 6 sessions of 10 minutes each. Before the situation becomes a problem, walk out of the scene and come back later to resume the conversation. This theory is tested and certified by veterans for good results. However veterans differ with time span and advise that 5 minutes is more appropriate duration especially for beginners.

(UN)BIASED

People may criticise me for the gender bias in this article as I have only covered the Mid-Age Crisis of men. But the right universal truth is that Women remain young forever. Women never reach Mid-Age spectrum itself and hence no advices are required for them. Once a senior colleague told me pointing to another “You know? This girl is retiring next month”. Do you wonder on calling a retiring person as girl? Then you are yet to understand the basics of gender psychology.

Values in Banking

(Shreyas issue no 143 – Feb-March 1999)



C.V. Aravind

Ex staff
(Manager, HM&L
Section, HO, during
that period)

From humble beginnings to our Bank has today risen to great heights and has a secure place as one of the most progressive in the comity of banks in the country. Our growth has been spontaneous and sustained and driven by the will to succeed- we will certainly achieve greater heights in future too.

It would be fair to say that the values that we have cherished and nurtured over the years have been instrumental in the success of our Bank. Our efforts to blend values, benefits, ideas and practices have always paid us handsome dividends. Our pursuit of excellence has been characterised by our firm belief in a judicious mix of people, products and values. We are now proud to process a strong, cohesive, flexible and value based structure that has enabled us to stamp our class on every activity that we have undertaken.

Values can be defined in many ways. Some feel that values pertain to the quality of the means employed in achieving different kinds of ends/results. According to others, values are an inbuilt mechanism which distinguishes the right from the wrong and the do's from the don'ts of any action. In an era where values are degenerating, a lot of emphasis has to be laid on 'Character Building' and development of work ethics.

As bankers, we are the custodians of the people's money. We undertake a wide array of activities, all of which require integrity of the highest order. The increase in banking frauds is a testimony to the fact that the external environment is playing a role in corrupting the minds of bankers. We have to guard against the trend. As far as safeguarding the interests of the Bank and the interests of the constituents goes, there can be no room for compromise. The integrity and character of each individual is vital to the organisation, just as every link is invaluable to a chain. Our aim should always be to enhance the Bank's reputation; never to besmirch it.

Good leadership can always play a pivotal role in shaping good values. A leader should be an amalgam of several

qualities, prominent among them being integrity, intelligence, innovativeness, ability to inspire and motivate, effectiveness in decision making, planning and organising skills, efficiency, emotional stability and self-control. Leadership also envisages the achievement of some goals through others. And where achievement of goals is concerned many factors come in to play. Human attitudes, motivation, interpersonal relations, leadership styles and organisational culture are some of them. A leader with the right attitude and the right mental make-up can foster the right values in his subordinates. For this, his loyalty to the institution should be unquestionable and his commitment to the organisation's goals should be total.

When we talk of values in banking we should also lay stress on human values. Human Resource Development is of prime importance in any organisation and building character and values in the work force can fully be achieved if we pursue a policy of 'discipline without punishment' to the extent possible. It is always said that you can punish people into compliance, you cannot punish people into commitment. The fear of punishment is like a Damocles' sword and by letting it hand over the heads of people, we can only ensure a fear psychosis but we cannot ensure results. By following a policy of constant encouragement and motivation we can instil human values and also ensure that proper 'work ethics' is developed.

We are now in an age where competition is hotting up with every passing day. To succeed amidst this competition we require a lot of perseverance and an ability to spot opportunities. Sacrificing ethics to succeed is something, that should be anathema to all of us. The temptation may be great but it has to be crushed if we are to sustain our image as a bank that values ethics. The values of the ethics of the employees serving in the bank have a paramount bearing on the fortunes of the organisations. Where values and ethics are lacking, it is our bounden duty to ensure that they are developed at the earliest. We cannot afford to be complacent any longer. Values in banking can never be compromised at any point of time.



Shreyas contest 2021
Short Story English
1st prize

The Penance



Mini Augustine
Senior Manager
RO Kottayam

It was after a long thought that we had decided to construct our house in our native village. Right from the start our neighbors warned us about the trouble we were going to face with this vagabond called Keeri as our neighbor who was a pain to every household in the area. Whether the name which meant Mongoose in the local language, was an acquired one or was it his real name, nobody could tell. Yet, the name was so ill famous that the police came searching for its rightful owner whenever there was a theft in the locality. Petty or notorious, Keeri was behind all of them! It was common knowledge that if Keeri wasn't stealing, he was busy plotting a mischief! A trouble monger as he was, he eavesdropped on everyone and complained to authorities concerned about even the most petty lapses thus causing avoidable trouble. In that way he was a watchdog too!

Apart from theft, Keeri was also a smalltime drug peddler. He used to peddle drugs for school and college students and as the crime was severe, whenever he was caught, he used to go missing for months together. When we began construction of our house, we made sure that even the smallest of jobs had all the necessary approval before we began and thus stayed free of Keeri's trouble. 'The name was enough to scare even the little children into getting their tasks done.' One day we heard Keeri was rounded up again this time for theft of Taps and brass items from a newly constructed house. Soon they had to set him free for want of evidence. We lost our sleep as all sorts of construction material lay bare on the site with no one to guard. Our place being a village, normally nobody stole such things. We contemplated setting up CCTV but dropped the idea for no specific reason. Days and months passed by, but neither Keeri made an effort to acquaint with us nor did we with him.

The construction seemed to progress at snails pace

mainly because of approvals being delayed. Once complete we were only waiting to move into our new house. Along that time Keeri was again in police custody. We had invited all our neighbors to our House warming ceremony and as a mark of courtesy extended the invitation to Keeri's family members too. On his release from Jail, Keeri came to our house to thank us for inviting his family. "Nobody has ever invited us to any function till today. 'You are good people, so my heart says!' was all he said with tears brimming in his eyes. That was the first time perhaps we spoke to him. When he left he asked us to call him if we needed any help. But I murmured to myself, 'hope that day didn't arrive'!

Weeks later Keeri was held by the police again. This time it was for thrashing a neighbor up. Being his immediate neighbor, the Police came to us enquiring about him. We said that we didn't face any problem with him so far. And that was the truth! Every other household in the neighborhood spoke ill of him, of his nuisance value and nothing good at all to say. Whenever Keeri went into lock up, the entire village celebrated his absence and slept in peace while he was away. Nobody went to release him on bail too. When Keeri returned this time, he brought home a buffalo calf. He raised the calf in his small space feeding it grass cut from our land. We kept quiet as an altercation was the last thing we could afford to have with him. Meanwhile someone spread a rumour that Keeri had stolen the calf from the neighboring village. Keeri denied all allegations and raised the calf braving it all. One morning, Keeri's calf was found dead. It was clear that somebody had poisoned it! But why? We could not believe that somebody would dare do this to Keeri of all persons. Keeri was heartbroken! He wept and wept, crying loudly, "Why doesn't anyone let me lead a normal life. Why don't they give me a chance to change?" We were moved by the way he cried that day!



Slowly we started exchanging casual enquiries and asking more about each other. Whenever we had odd jobs to do, we began hiring him which he was only happy to do. But people in our neighborhood warned us every time they saw him in our compound. Once a thief, always a thief” said they. Then one day while we were away for a few days, our house was broken into. As no valuables could be found the thief, decamped with whatever cash he found. We lodged a police complaint and the police took Keeri away for questioning. Soon it was a beeline of sympathizers calling on us. More than pacifying us, they were quick to repeat the pearls of wisdom 'don't trust a confirmed thief! 'But we couldn't believe them because there were days when our house was locked for months together and no theft had taken place then. Also, if Keeri had wanted he had better opportunities, for he had won our confidence too. Slowly the doubts planted in my mind began growing stronger by the day. 'Could it be Keeri ?' My mind refused to let go the thought.

As if to confirm my doubts, Keeri stopped stepping out of his house after that. There were times when I had wanted to confront him. But Keeri wasn't to be found.

Police couldn't crack the case either. So one day they summoned us to discuss and close the file which was later done with our consent. Months passed by. Meanwhile we got cctv cameras installed. We were contending strongly to install cameras even while the house was under construction. But the idea got cold owing to procrastination, a huge sin we were paying now for!

Soon life became normal for us but not for Keeri. Keeri was never seen after that. I don't know how he stole

himself out of our sight. Days went by as usual until one day the police came knocking on our door. They had rounded up some suspects who were involved in a chain of thefts. The thieves were being taken around to trace the houses they had broken into and ours happened to be one of them! They seemed to have gone on a spree breaking into every house that was locked up in a while.

Despite the loss we suffered, we were glad that Keeri hadn't betrayed our trust! We wanted to shout out from our rooftop 'After all Keeri wasn't the thief' But didn't I cast a small doubt in my mind about Keeri ? My husband had rebuked me for casting aspersions without evidence. Of course Keeri was no saint. He was a confirmed thief. But Keeri wasn't the one who broke into our house. So as far as we were concerned he wasn't a thief! We were a bit too involved that day with a steady stream of guests pouring in. News had spread like wildfire that the real thieves had been rounded up and Keeri was innocent.

Pressed by my conscience, I wanted to meet Keeri, but an excuse wasn't handy to go and see him at his house! If we went to his house after so many days, won't it be evident that we had suspected him all these days? After a lot of thought and afterthought we decided we should go to his house and meet Keeri after breakfast next day. Need be, we may invite him to tea at our house, we thought.

As day broke, we saw a small crowd gather in front of Keeri's house. The courtyard of his house was so small that the crowd spilled onto the road. It was easy to smell that something was wrong there. My heart skipped a beat when we approached the courtyard. Keeri had died that morning of heart attack! His wife spoke amidst sobs that Keeri had been depressed for some time and wasn't speaking to anyone including his own family members. Perhaps he may have been heartbroken that the only people who treated him well got a reason now to suspect him. But why was he avoiding us when he was innocent? Some questions didn't have an answer. I was ashamed of myself for casting doubt on Keeri, though briefly. Keeri had changed for good, but life did not wait for him to prove!

My husband and I walked back home in silence! I had a penance to do!

मेरा एक सपना

मेरा इक अपना सपना है वो मुझको पूरा करना है।

उस नील गगन में पंख फैला चहुं-दिशा में मुझको उड़ना है।
नन्ही परी से बड़की बन घर का बोझा कम करना है।
माँ के जलते हुए हाथों पर, प्यार का मलहम मलना है।
मेरा इक अपना सपना है वो मुझको पूरा करना है।

सही गलत का भेद बता जो तुम मुझको न सिखलाते।
इन नन्हे-मुन्ने कदमों को न सही दिशा तुम दिखलाते।
न मेरी ये हिम्मत होती न मेरे वो सपने होते।
न मेरे ये रास्ते होते न मेरे तुम अपने होते।

पर अम्मा-बाबा बात बताओ, ये लड़कों को भी सिखलाओ।
क्यूँ सब उनको मिल जाता है, गलती पर्दा किया जाता है।
बेटी को बेटा कहते हो, बेटे को बेटी क्यूँ कहा नहीं।
हर सही गलत के मसले पर उन लड़कों को क्यूँ कसा नहीं।

तुम्हें उसे भी समझाना था पुरुष नहीं इंसान बनो।
देखो वो कितना भटक गया, अब कहो कि मत शैतान बनो।
अपने पौरुष के बल पर मेरी कोमल काया जला गया।
अम्मा-बाबा तेरा बेटा तेरी बिटिया को मिटा गया।

पर दर्द बता और चीख सुना मैं तुमको नहीं रुलाऊंगी।
मैं तेरी ही तो बिटिया हूँ अब आगे बढ़ती जाऊँगी।
रोशन होगी मुझसे दुनिया ये मेरा खुद से वादा है।
वो जला गया उस दीपक को जो सूरज से भी ज्यादा है।

दिखला दूँगी इस दुनिया को सुंदरता दिल में होती है।
जब हिम्मत हो अरमानों में दुनिया कदमों में होती है।
इस नए समय में मुझको जग में तेरा नाम करना है।
मेरा इक अपना सपना है वो मुझको पूरा करना है।



सोनिया सैन

लिपिक

अंचल कार्यालय, जयपुर



Shreyas contest 2021
Travelogue - English
1st prize

UDUPI : A Breath-taking Amalgamation of Temples and Blissful Beaches



Ankur Satish Tandale
Officer
Nagpur Sitabuldi Main Branch

Udupi: A name very common to all of us when we think of the vegetarian Food at any Udupi restaurant in any city of India. Yes, it's Udupi, a rustic town nestled in the south-western district in the Indian state of Karnataka which is present on the National Highway NH66. Udupi also called as Udupi is a very famous tourist's destination and also a medical and engineering hub, where students flock every year in the famous Kasturba Medical College and MIT, Manipal. The people of Udupi speak Kannada and Tulu mostly while some coastal people speak Konkani language.

Earlier, this year, on one such weekend, my wife and I decided to explore the temple city - Udupi, located around 430Kms from Bengaluru and 300Kms to the south of Goa. To save the time in our hand, we decided to travel by Air from Bengaluru to Mangaluru which took us just 40 Minutes. While travelling from Mangaluru airport towards Udupi, we were greeted with amazing coconut trees on both sides of road along with some beautiful Rivers following its path towards the Arabian Sea. The city welcomed us with an amazing Entrance gate reflecting the carved sculptures and art that flows in the city.



Udupi Entrance Gate

After early check-in the hotel, we started the first leg of our journey with a visit to the Ancient **Temple of Lord Krishna** which was built in the 13th century by the King of Udupi. The different temples inside the Krishna Matha and the monuments are stunning-it is truly a living testimony of the artisanship of that era. Before entering the temple, I had to wear a white Lungi and remove the shirt, which brought me closer to the south Indian culture. As we entered the temple premises we felt the silence, as if in a trance. The Idol of the Lord Krishna was present inside the Dark temple room, the darkness was dissipated by the Light of a single Lamp next to it. The roof of the temple was made up of Gold which left us in awe and the walls have diyas all around it which again fascinated us and connected us towards the culture. The



Sri. Krishna Temple

silence and the darkness created a spiritual and transcendental environment for experiencing one to one communication with God. The temple truly depicts the Indian art and heritage which is a torch-bearer of our Indian culture.

We were lucky to have got the Prasad in the biggest kitchen present in the temple complex. The temple has a huge pond next to it and it has Astha Mathas dedicated to the different Hindu Gods. The Temple Pond is located on the right, which adds to the beauty of the temple with a Small structure in the middle of the pond- totally a picturesque site. Being a mobile photographer, I captured lots of pictures outside the temple complex.

As we were about to exit the temple premises, after seeking the blessings, my wife decided to lighten my wallet and fill her shopping bag with the amazing traditional articles (specially wooden kitchen items) along with the aromatic spices and dry fruits from the local hawkers and shops present inside the Temple complex.



Shri. Krishna Temple Pond

MANIPAL: From Krishna Matha, we drove to explore the city of Manipal which was just 6 Kms. **Udupi- Manipal** are also called as the **Twin-Cities**. The sight greeted us with tall buildings, malls and restaurants along with greenery all around. Manipal is mainly famous for Its Kasturba Medical College and MIT College which are world class institutes and so it's a student's hub. Surprisingly, we had the pleasure of visiting the Headquarters of Formerly Syndicate Bank which is now called our **Canara Bank, Head office-Annexe, Manipal.**



Canara Bank Head office-Annexe, Manipal

UDUPI FOOD: With the sun beating in the coastal area it was a humid climate and so to keep ourselves hydrated we had a drink of Tender Coconut which completely refreshed us. A tender coconut just hydrated us but to fulfil our hunger we finally drove back towards Udupi to have the famous Vegetarian Staple food of Udupi. Locals suggested us a good and the most famous Udupi restaurant viz **Mitra Samaj**. It is said that if you are in Udupi then you should try the Udupi food (**Idli, Idli Vada, Dosa, Rawa Dosa, Set Dosa, Masala Dosa**) in Mitra Samaj. Finally we ordered the Masala Dosa and we were utterly surprised after seeing the huge size of the Dosa. The Masala Dosa was very palatable and we totally enjoyed it.



Udupi Masala Dosa

The fact that left us flabbergasted was the bill of Dosa which was just Rs.40 per Dosa (We pay 4 times for the same Dosa in any north Indian restaurant).

Few facts About Udupi Food:

1. Much to our surprise we discovered, our very favourite Dosa originated in Udupi.
2. It is also said that Udupi food is 100% Sattvik.

MALPE: As the sun was heading towards the west, we moved towards our next destination in Udupi which we were eagerly waiting for i.e. Malpe. It is around 5 Kms from Udupi with a good connectivity of transport. We decided to first explore the Padukere Beach which is towards the right of the Malpe fishing boats Parking Area. Thousands of fishing boats were floating in the parking area of the harbour and the Sun moving towards Padu (Padu Means West in Kannada) direction which made the view very natural and scenic. The view from the bridge connecting the Padukere village was something which will always remain etched in my memories. It was a treasure site for a photographer and I have filled my phone memory too.



Malpe Fishing Boats Parking Zone

Little ahead of the bridge, we discovered another spectacular Padukere beach which made us feel heavenly. The beach was very clean, full of sea shells and we even got to see the Star Fish. With the cool breeze and the sea waves, the evening was even more peaceful and it was mesmerizing to see the sun setting down the Arabian Sea.



Sunset at Padukere Beach

After the sunset, we decided to move towards our next location which was close to the Malpe viz. Malpe sea walk. With an amazing garden and statues in the premises, it added stars to the Malpe sea walk. Malpe sea walk is another must visit location which we really enjoyed. It was peaceful to see the fishing boats heading back to the harbour. With waters on both side of the sea walk, the view was even more stunning. After a long day we decided to retire ourselves by going back to the hotel.

Next day after having the breakfast, we were on roads again and our next destination was around 10kms away and the busy streets of Udupi soon turned to small byroads. We found ourselves running parallel to the backwaters of Udupi by the banks of the SUVARNA River. The roads exhibited serenity with the greenery surrounding it, which felt heavenly. The waving coconut trees accompanied us on both the sides of the road which made us realise our presence in the South India. There was something very calming about the road which led to the iconic, one of a kind, "**KEMMANNU HANGING BRIDGE**" of Udupi. It is a suspension bridge, suspended by cables, it was built in the year 1991 and it is a big help for locals as it connects two villages separated by the Suvarna River. We were awestruck by the fact that the two wheelers could easily pass over the bridge. Apart from the technicalities, we were amazed by the eye-pleasing sight surrounding the bridge. We ourselves surrendered to the panoramic view of the Suvarna River along with the greenery all around.



Kemmanna Hanging Bridge, Udupi

MURUDESHWAR TEMPLE: With less time in our hands we started moving towards Murudeshwar Temple located on NH66, around 100 Kms from Udupi. The temple is dedicated to Lord Shiva and it is present right on the seashore. The sight welcomed us with a **huge Entrance gate having 20 floors and two lifts inside it**, with ancient structure and statues of different gods carved on it. It is truly another living testimony of the phenomenal art of the current era. A very big eye catching statue of Lord Shiva is present inside the temple which is visible from the shore and sea. We decided to go to the top floor of the entrance gate which offered the panoramic view of the sea, sea shore and the city. I had never seen such a beautiful view in my whole life and without wasting any time I captured the view in my shutterbugs.



Murudeshwar Temple

KAUP BEACH AND LIGHT HOUSE: After seeking blessings from Lord Shiva, we drove back towards Mangalore to reach our final destination which was around 20 Kms from Udupi i.e. Kaup or Kapu beach which is famous for its Light House. The lighthouse stands tall on the gigantic rock and the visitors are allowed to go on top of the lighthouse after 4.30 pm with a nominal entrance ticket of ₹10 and there is interesting spiral staircase that takes you to the top. As we reached on the top, we were amazed with the panoramic view which was totally mind blowing. A small river crosses the Kapu village and flows right breaking the rocks meeting the Sea. The Kapu beach is known for the huge rocks on the beach against the lighthouse and watching the waves crash those rocks was just phenomenal. The highlights of the beach are the benches installed around its periphery.



Lighthouse at Kaup Beach

With the clock ticking and the sun setting the ocean, we charged back towards Udupi. After reaching we decided to have the famous dessert of Udupi- **“GADBAD”**. Gadbab was originated in Udupi and it was made in haste, consisting of layers of ice cream, dry fruits, and fruits so it was named as Gadbab. We totally enjoyed it and I bet, you will want to have it more.



Udupi Special Dessert-GADBAB

Finally, we came to an end of our 2 days tour of Udupi. In my opinion, Udupi is a perfect destination, if you need a break from the crowded city life as this place is a **blend of Spirituality and Peacefulness**.

- Udupi is truly an Amalgamation of Ancient Temples and Blissful Beaches!!



ADITYA NARAYAN

S/o Sri Nishant Shekher ,
Manager,
Mumbai Kakad Market Branch



ARUTHURA

D/o M Sakthivel,
Manager, Anaimalai Branch, &
S Pavithra,
Officer, Coimbatore RO I



ATHARV NARAYAN

S/o Sri Nishant Shekher ,
Manager,
Mumbai Kakad Market Branch

नारी



स्वाति झा

अधिकारी

रामप्रस्थ शाखा,

घाज़ियाबाद

हां! मैं नारी हूँ ।
इस पुरुष प्रधान समाज की रीढ़,
और अपने पुरुषत्व का दंभ भरते,
इन तथाकथित पुरुषों के,
जीवन की नींव हूँ।
हां! मैं नारी हूँ॥

मैं वो हूँ।
जिसके होने न होने से,
कोई फर्क नहीं पड़ता, ऐसा कहने वाले,
उसके न होने पर घर संभाल नहीं पाते,
दिन भर घर में करती क्या हो?
या तुम इकलौती नहीं जो नौकरी करती हो,
ऐसा कह मेरी परेशानियों को नकारने वाले,
इस पुरुष प्रधान समाज की,
अदृश्य वाहिका हूँ।
हां! मैं नारी हूँ॥

मेरी हर उपलब्धि,
हर सफलता को,
क्षणभंगुर कहने वाले,
मेरी कमियों को पर्वताकार देने वाले
नारीवाद का जामा पहने
उन अंधराष्ट्रवादी पुरुषों के झूठे दंभ को चकनाचूर
करने वाली,
हां! मैं नारी हूँ॥

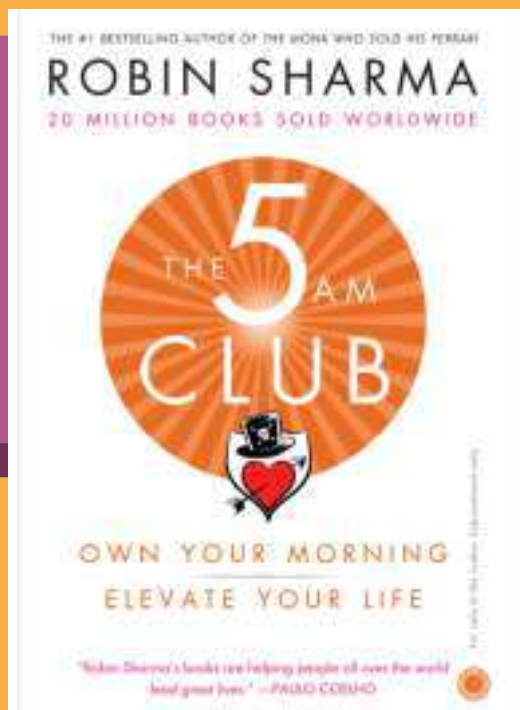
मैं पुरुषों के विरुद्ध नहीं।
प्रकृति ने दोनों को अपनी जगह दी है,
तो मैं उन पुरुषों के विरुद्ध हूँ,
जो हमें कमतर समझते हैं।
हमें कमतर समझने वाले
उन रूढ़िवादी पुरुषों के विरुद्ध,
संपूर्ण शक्ति और साहस से खड़ी होने वाली,
हां! मैं नारी हूँ॥
और मुझे गर्व है कि मैं एक नारी हूँ।



**Shreyas, in homage to Canbank's departed souls,
pray that they rest in bliss, in the eternal palace.**

**Death, said Milton, is the golden key
that opens the palace of eternity.**

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
CHANDMUNI HEMBROM	67382	SWO A	GOELKERA	01-08-2021
RAKESH KUMAR	576820	ARMED GUARD	GHAZIABAD CC	08-08-2021
P S NAIK	69303	ARMED GUARD	LOHAGAON	09-08-2021
MUKESH KUMAR	100844	HKP	CHANDIGARH SECTOR 30C	19-08-2021
N BALAKRISHNAN	55708	SWO B	THIRUVANANTHAPURAM REG OFF	27-08-2021
MATUSHI	81658	MANAGER	PATIALA SME	28-08-2021
POORNIMA A	604059	HKA	TIRUVALLUR	31-08-2021
ERAIAH	56676	SWO A	BENGALURU BSK IIISTAGE SB	01-09-2021
SANJEEV KUMAR JAIN	59404	OFFICER	MEERUT DELHI ROAD	03-09-2021
ARICK WILLIAM KERKETTA	103691	SWO A	RANCHI THARPAKNA	03-09-2021
MOTILAL SAH GOND	67910	PEON	DELHI OKHLA SME	08-09-2021
DHANANJAYA JC	745361	ATTENDER	SIRIGERE	10-09-2021
KEMPANNA SANNAPPA BASARAGI	64299	SWO A	BELAGAVI CUR CHEST	12-09-2021
ASHOKA	691909	HKA	GUNDLUPET BRANCH	15-09-2021
SHEETAL SRIVASTAVA	98141	SWO A	MUZAFFARPUR BHAGWANPUR	19-09-2021
VILAS B VINHERKAR	53046	SWO A	MUMBAI NAIGAUM	19-09-2021
AKASH	735010	HKA	AGRA CANTONMENT	22-09-2021
RAMAPRASAD EMARAKA	525130	C.M.	CHETTIVANIPALAYAM	25-09-2021
DINESH KUMAR	74324	HKP	HATHRAS NAYAGANI	29-09-2021
GOVINDBHAI LALABHAI BAMANIA	53041	SWO A	AHMEDABAD DRIVE- IN-ROAD SB	03-10-2021
MARIAPPAN K	66967	HKP	KANNAMPALAYAM	09-10-2021
RAVI SHANKAR E	82669	OFFICER	SIRUMUGAI	10-10-2021
ASHWIN BANDARU	557175	C M	VIJAYAWADA ARM BRANCH	14-10-2021
RUDRAPPA YALLAPPA MARAKUMBI	76935	ARMED GUARD	BELAGAVI CUR CHEST	18-10-2021
KODURI SREENIVASA GUPTA	454241	AGM	BHUBANESHWAR C O	27-10-2021
P SANKAR	69386	HKP	CHENNAI WEST MAMBALAM	30-10-2021



The 5AM CLUB

OWN YOUR MORNING ELEVATE YOUR LIFE

— Robin Sharma

Legendary leadership guru and performance coach Robin Sharma presented “The 5 AM Club concept” about twenty years ago, based on a groundbreaking morning regime that has helped his clients to capitalize on their productivity, stimulate their best health and secure their quietude amidst an overwhelming complexity.

Now, through this revolutionary book, the author

helps us to re-discover the early-rising habit that has aided many people to accomplish their dreams and aspirations and augment their happiness, effectiveness and vivacity. Through this captivating and often amusing story about two struggling strangers who meet with an unconventional business mogul who becomes their secret mentor, Robin Sharma disseminates the significance of the often heard mantra “early to bed and early to rise makes you wiser and healthier”.

The author initially walks us through certain revelations like how the world's wisest and the most successful people start their mornings, how a step by step method followed early morning can infuse self-renewal and personal growth and how a neuroscience based practice can boost our creativity. He recommends making it a habit to get up at 5 AM and starting the day before it all gets too hectic! Robin Sharma emphasises that the “waking up early” habit can benefit a person in 4 ways – conceptualisation, freedom from interruptions, facilitating and planning, and a systematic scheduling of things to follow. The stillness of the morning can do wonders to our concentration and efficacy, thus eventually leading to better personal productivity. The author suggests transforming this habit into a discipline and using it as a trigger, a ritual and as a reward for our personal optimisation.

The author has premised the 5 AM habit on a 20/20/20 bifurcation of our very own and personal ONE HOUR at day break! It is the moot point to the early morning routine suggested in the book. The underlying tenet is to keep ourselves improving on a daily basis! The first 20 minutes is to MOVE - exercise! Rejuvenating and storing energy, converging our thoughts and reducing stress. Living longer! The second 20 minutes is to REFLECT - mediate and envision positively and resourcefully for a better and stronger performance during the day! The third 20 minutes is to GROW - analyse and set goals, study and rebuild your knowledge, skills and competencies and work towards personal development! The 5 AM Formula espouses a holistic uptake in our physical, mental and spiritual realms leading to personal wellbeing.

The book is all about dealing with our life in a very positive way and unleashing our latent potential. A must read for anyone wanting to understand about things that is holding them back from the pedestals of greatness!



Kishore Thampi



मीडिया पार्टनर द इकोनॉमिक टाइम्स के साथ फेदर टच बिज़नेस सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित बिज़नेस लीडरशिप (ब्रांडिंग और मार्केटिंग) के तहत “श्रेयस” को श्रेष्ठ गृह पत्रिका का पुरस्कार प्राप्त हुआ। दिनांक 02.11.2021 को प्रधान कार्यालय-विभाग प्रमुखों की बैठक के दौरान श्री एल वी प्रभाकर, प्रनि व मुकाअ की गरिमामयी उपस्थिति में प्रमाणपत्र और ट्रॉफी का प्रदर्शन।

“Shreyas” won the Best in- House Magazine Award under Business Leadership (Branding and Marketing) conducted by Feather Touch Business Solutions with media partner The Economic Times. The Certificate and Trophy being displayed in the august presence of Sri LV Prabhakar, MD&CEO during the HO Wing-Heads' meeting held on 02.11.2021.



श्री एल वी आर प्रसाद, मुमप्र, मासं विभाग प्रमुख और श्री शंकर एस., मुमप्र क्रमशः ट्रॉफी और प्रमाणपत्र को प्रदर्शित करते हुए। श्री एच एम बसवराज, उमप्र, श्री के एस एन भट, समप्र के साथ गृप व पु अनुभाग की समस्त टीम जिसमें श्री किशोर थंपी, वरिष्ठ प्रबंधक, श्री संजीव के., अधिकारी और श्रीमती एस विजया, एखिप-ए भी चित्र में दिखाई दे रहे हैं।

Sri LVR Prasad, CGM, HR Wing Head and Sri Shankar S, CGM seen holding the trophy and certificate. Sri H M Basavaraja, DGM, Sri K S N Bhat, AGM along with HM& L team comprising of Sri Kishore Thampi, Senior Manager, Sri Sajeev K, Officer and Ms S Vijaya, SWO-A are also seen in the picture.



Painting by :
Murugan M
SWO-A,
Karamadai Branch



Shreyas contest 2021
Painting
Encouragement Prize

